जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, शनिवार 18 अक्टूबर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

2025
International Year of Cooperatives
Cooperatives Build a Better World

समृद्ध किसान
खुशहाल राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

धनतेरस पर किसानों को सौगात

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

किसानों को चतुर्थ किश्त की राशि का हस्तांतरण कार्यक्रम

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

18 अक्टूबर, 2025 | दोपहर 01:00 बजे | नदबई, भरतपुर

प्रति कृषक 1,000 रुपये की राशि
71.8 लाख किसानों को 718 करोड़ रुपये की राशि का हस्तांतरण

- पीएम किसान सम्मान निधि योजना के राज्य के पात्र लाभार्थियों को मिल रहे प्रतिवर्ष 6,000 के स्थान पर 9,000 रुपये
- किसान सम्मान निधि के तहत 21 माह में 8,386 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित

सहकारिता विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

अभिलाषा सब दुःखों का मूल है। –बुद्ध

भरी अदालत में भारत के मुख्य न्यायाधीश पर धर्म का हवाला देकर जूता फेंकना, लाइलाज नफरती बीमारी का चरम प्रदर्शन है।

एक सिरफिरे वकील ने सभी मर्यादाओं का उल्लंघन कर खुली अदालत में, भारत के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेक कर अपनी घृणा आधारित निकृष्ट सोच का भौंडा प्रदर्शन किया। सही सोच रखने वाले सभी भारतीयों ने इसकी व्यापक रूप से भर्त्सना की है। कुछ लोगों में सीजेआई द्वारा विष्णु की खंडित मूर्ति वाली याचिका में की गई मौखिक टिप्पणी से असहमति व्यक्त की है किंतु उन्होंने भी व बहुत से गणमान्य लोगों में इस घटना की तत्काल या कुछ देर से भर्त्सना जरूर की है। हां, कुछ उलूल-जुलूल बोलने वाले बड़बोले नेताओं व स्वघोषित धर्माधीशों की जबान पर जरूर ताला लगा रहा।

इस प्रकार की नफरती बीमारी तो इस घटना के काफी पहले शुरू हो गई थी। इसके शुरुआती लक्षणों के रूप में, लोगों के समूहों द्वारा धार्मिक आधारों पर, छोटी-मोटी बातों पर आस्था पर चोट के बहानों, महज शक के आधार पर कमजोर वर्गों के लोगों को किसी अपराध का संदिग्ध मानकर उनको पकड़ना, पीटना, मारना शुरू किया हुआ था। यह संकेत थे कि देश में एक गटर विचारधारा सीवर लाइन में बह रही है। कुछ गुंडा टाइप लोगों द्वारा, अनेक नामों वाले समूह बनाकर, समय-समय पर, मनमर्जी से या आकाओं का आदेश मिलने पर सीवर का ढक्कन तोड़ कर बदबू लगातार, समाज में फैलाई जा रही थी।

लेकिन बड़ा प्रश्न तो यह है कि आखिर इस प्रकार की नफरती सोच, बिना डर-भय के गांव-मोहल्लों से बाहर निकल सुप्रीम कोर्ट की खुली अदालत तक कैसे पहुंची?

क्या समाज इस भयंकर बीमारी से व्यापक स्तर पर ग्रसित हो चुका है? क्या इसका इलाज संभव नहीं रहा या शासन कमजोर है या जानबूझ कर शासक वर्ग शुतुरमुर्ग बने बैठा है? क्या सरकार से भिन्न कोई शक्ति इस प्रकार की घटनाओं पर त्वरित सख्ती से कार्यवाही करने वाले हाथों को पीछे खींचती है? क्या शासक वर्गों को ऐसी घटनाओं की पुनरावृति होते रहने में अपना हित लगने लग जाता है?

भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेकर, महज संदेह के आधार पर, संदिग्ध अपराधियों, गौ तस्करी में लगे लोगों, अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर, कमजोर समुदायों के लोगों को अत्यंत खरनाक ढंग से पीटा जाता है जिसमें जान जाने की पूर्ण संभावना होती है। ऐसे हमले सामुहिक रूप से मॉब लींचिंग की श्रेणी में रखे जाते है। कुछ ऐसे भी मामले सामने आए है जिनमें पुलिस पीड़ितों पर ही केस दर्ज कर देती है। कई बार इस प्रकार की घटनाओं के होने में और इनकी तफ्तीश में सांप्रदायिक भेदभाव दिखलाई देने लगता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (मुस्लिम, दलित, आदिवासी) इन घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

कुछ सामान्य अफवाहें जिनसे इन प्रकार की घटनाएं होती है या जानबूझ कर की जाती है, वे हैः– यथा अमुक व्यक्ति ने गौमांस खाया, अमुक-अमुक लोगों में गाय को मारकर उसकी हड्डियां अथवा मांस मंदिर में फेंक दिया और मांस खाया, इन-इन व्यक्तियों ने किसी धर्म विशेष की लड़कियों को छेड़ दिया या कोई छोटी-मोटी बात को धार्मिक आस्था पर चोट से जोड़ देना, किसी के संबंध में लव जिहाद में लिप्त होने की आशंका व्यक्त कर देना, किसी महिला के डायन होने की अफवाह फैलाना, किसी पर बच्चा चोरी का सच्चा या झूठा आरोप लगाकर व अन्य इसी प्रकार की सैकड़ों अफवाहें फैला कर भीड़ को उन्मादी बनाया जा सकता है।

कुछ उदाहरणों से बात कुछ ज्यादा आसानी से समझ आएगी। 2015 में मोहम्मद अख्लाक को घर में बीफ रखने के शक में भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला। उन्नाव व हाथरस की घटनाएं गरीब तबके की महिलाओं के विरुद्ध जघन्य अपराधों की तरफ असंदिग्ध रूप से संकेत थे किंतु की गई कार्यवाही, कानून के राज की अवधारणा के प्रति वि पैदा करने वाली नहीं दिखी। रोहित वेमुला की हत्या ने देश में संस्थाओं तक में दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर बढ़ते अपराधों की ओर असंदिग्ध रूप से इशारा था। यह अत्यंत लज्जाजनक है कि हेट क्राइम के लगभग 50% से अधिक पीड़ित मुस्लिम होते है और 50% आदिवासी,दलित और हिंदू होते है।

एक ओर गंभीर प्रश्न सामने आया है --- यह जो मोबलिंचिंग की घटना करने वाले समूह होते है इन की कोई भी बड़ा संगठन, जिसके नाम का उपयोग कर यह लोग इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देते है, उसकी जिम्मेदारी नहीं लेते? बड़े संगठनों के पदाधिकारियों से कोई पूछे तो सीधा, त्वरित उतर होता है कि अमुक लोग उनके संगठन के सदस्य नहीं है?

अभी हाल ही में रायबरेली में एक दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। यद्यपि इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 6 पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया । अगस्त 2025 में ही बरेली में एक नाबालिग बच्चे की पीट-पीट कर हत्या कर दी, महज चोरी के शक में।

कुछ पीछे जाएं तो, 2015 में दादरी यूपी में घर में बीफ रखने के संदेह पर मोहम्मद अख्लाक की हत्या हुई जिसमें 11 व्यक्तियों को दोषी करार दिया गया है। 2017 में अलवर में पहलू खान व 2018 में रकबर खान और साथियों पर गो तस्करी शक में हमला किया, पहलूखान को मार दिया, रकबर खान भी मर गया। गिरफ्तारियां जरूर हुई। झारखंड में बच्चा कोरी के आरोप में असगर अंसारी की हत्या हुई। हापुड़ में चोरी के शक में 2018 में ही कासिम कुरैशी की हत्या करदी गई। 2019 में तबरेज अंसारी की मौतः चोरी शक में बेरहमी से पीटा; जय श्री राम बोलने को मजबूर किया। गनीमत थी कि वह बच गया। 2020 में महाराष्ट्र के पालघर में चोर समझ कर तीन साधुओं की हत्या हुई। पुलिस में लगभग 100 लोगों को आरोपी बनाया है। 2023 में नासिक के मंदिर में केला, प्रसाद चुराने के शक में इशाक की हत्या। अगस्त 2025 में ही बरेली में एक नाबालिग बच्चे की पीट-पीट कर हत्या कर दी, महज चोरी के शक में।

कई बार ऐसा लगने लगता है कि देश में नफरत, हिंसा और भीड़ तंत्र को कहीं से कुछ संरक्षण सा मिला हुआ है। यद्यपि सरकारे इन सभी घटनाओं की त्वरित अथवा कुछ देर से निंदा करती है और दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया जाता है किंतु यह भी स्पष्ट होता जा रहा है कि सरकारें मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने में सफल भी नहीं हो रही है।

भारत में इस प्रकार की घटनाएं बढ़ रही है। व्हाट्सएप या सोशल मीडिया से अफवाहें शीघ्रता से फैलती भी हैं और इरादान फैलाई भी जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग के संबंध में स्पष्ट राय दी है कि कोई भी व्यक्ति या समूह कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता। इस प्रकार की घटनाएं लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। सरकार को सख्ती बढ़ानी चाहिए।

पुराने अपराधिक कानून इंडियन पीनल कोड में हत्या का आरोप परिभाषित है और उसके अनुसार मोब लिंचिंग को हत्या माना है। नई भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 103 में मोबलिंचिंग को अलग से अपराध परिभाषित किया है और 7 साल की सजा का प्रावधान किया है। पुराने कानून में हत्या के अपराधी को आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती थी किंतु नए कानून में इसे 7 साल तक सीमित किया गया है।

क्या, संसद द्वारा, (इंडियन पीनल कोड के स्थान पर आया नया कानून) में संविधान के प्रावधानों के अनुसार ली गई शपथ का उल्लंघन को अपराध परिभाषित नहीं किया जाना चाहिए?

किंतु यह प्रश्न तो है कि क्या यदि शासन-प्रशासन व मुख्यत स्थानीय स्तर का कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण से जुड़े अधिकारी सदभावी प्रयास करें तो ऐसी वीभत्स घटनाओं पर काफी हद तक रोक नहीं लग सकती?? निःसंदेह, लग सकती है बशर्ते प्रयास सद्भावना से हो। प्रशासन के निचले स्तर पर, ऊपर के मंत्रियों आदि से अनावश्यक दबाव न हो।

भारत के संविधान के तीसरी अनुसूची में केंद्र और राज्य के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों, उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के द्वारा, मंत्री व संसद या विधायक या न्यायाधीश के रूप में अपना पद संभालने से पहले ली जाने वाली शपथ का विवरण है। इन सभी शपथों के प्रारूप में एक वाक्यांश कॉमन है और वह है "---that I will bear true faith and allegiance to the constitution of India ----" अर्थात मंत्री, संसद आदि भारत के संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा, आस्था, राष्ट्र भक्ति रखेंगे, यह शपथ सबके सामने, खुले में ली जाती है।

क्या भारत के नागरिक के रूप में हमें यह पूछने और जानने का अधिकार नहीं है कि जो मंत्री, संसद, विधायक आदि इस पवित्र शपथ या वचन लेकर आए है और रात दिन खुल्लमखुल्ला संविधान की खिल्ली उड़ाते है उन्हें क्यों नहीं अपने पदों से तत्काल बर्खास्त किया जाए? कम से कम मंत्रियों को तो बर्खास्त करने के लिए तो देश या प्रदेश के चुने हुए मुखियाओं को पूर्ण अधिकार है, तो फिर ऐसा होता क्यों नहीं? उत्तर भी बहुत साफ --क्योंकि कुछ सिरफिरे सांसदों, मंत्रियों द्वारा ऐसा करने पर, संबंधित राजनीतिक दलों को वोट मिलते है। इसी कारण मोबलिंचिंग करने वाले समूहों, लोगों को विभिन्न राजनीतिक नेता, दल, संगठन फ्रिंज एलिमेंट्स (छोटी संख्या में) कहकर, नफरती समस्या को कमतर करते है और यह ऐसे तत्वों को अपरोक्ष प्रोत्साहन का काम करते हैं।

एक ओर गंभीर प्रश्न सामने आया है– यह जो मोबलिंचिंग की घटना करने वाले समूह होते है इन की कोई भी बड़ा संगठन, जिसके नाम का उपयोग कर यह लोग इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देते है, उसकी जिम्मेदारी नहीं लेते? बड़े संगठनों के पदाधिकारियों से कोई पूछे तो सीधा, त्वरित उतर होता है कि अमुक लोग उनके संगठन के सदस्य नहीं है? यह भी सामने आ रहा है कि बहुत से बड़े संगठनों की सदस्य सूचियां सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ही नहीं है।

क्या सरकारों को कोई ऐसा कानून नहीं बनाना चाहिए कि कोई भी समूह जो, सार्वजनिक हित के नाम पर, इस प्रकार की गतिविधियां करता हो, उसका सदस्यता रजिस्टर सरकार/कलेक्टर/एसपी के स्तर पर उपलब्ध होना चाहिए। सदस्य सूची सार्वजनिक नहीं करने पर ऐसे समूह को अवैध घोषित किया जाना चाहिए और इस को अपराध परिभाषित किया जाना चाहिए।

कहीं चर्चा चल रही थी ---- हजार कानून बना लो, पालना करने वाली तो सरकार ही है न? अगर सरकार की मंशा इन्हें नियंत्रित करने की नहीं होगी तो कुछ नहीं होंगा और महीने, दो महीने के अंतरालों पर यह सब होता ही रहेगा। शासक वर्ग सदैव से जनता को यों ही मूर्ख बनाते रहते है।

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था और वृद्धावस्था की चुनौतियां

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ एक ओर जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हो रही है और दूसरी ओर जीवन प्रत्याशा लगातार बढ़ रही है। यह परिवर्तन सतही रूप से विकास का संकेत देता है, लेकिन इसके भीतर गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी संकट छिपे हैं। यदि आने वाले 30-40 वर्षों में इस पर ठोस नीतिगत सुधार नहीं किए गए, तो यह चुनौती हमारे समाज और राष्ट्र की नींव को हिला सकती है।

महंगी चिकित्सा और निजी अस्पतालों का वर्चस्व

पिछले दो दशकों में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में निजीकरण की तीव्र गति देखने को मिली है। एक ओर निजी अस्पताल अत्याधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ डॉक्टर और बेहतर सेवाओं के साथ आधुनिक उपचार प्रदान कर रहे हैं, लेकिन उनकी लागत आम नागरिक की पहुँच से बाहर होती जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, भारत का स्वास्थ्य पर कुल व्यय जीडीपी का मात्र 3.28% है, जबकि विकसित देशों में यह आँकड़ा 8-10% तक रहता है। इसका सीधा परिणाम यह है कि सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भारी दबाव है, और उनकी सेवाओं की गुणवत्ता लगातार गिर रही है।

निजी अस्पतालों में उपचार की लागत इतनी अधिक है कि यह एक 'उद्योग' का रूप ले चुका है। एक साधारण सर्जरी का खर्च लाखों रुपये तक पहुँच जाता है। और यह भी देखा गया है कि अस्पताल अनावश्यक सर्जरी पर ज़्यादा ध्यान देते हैं। अनावश्यक दवा, परीक्षण, अस्पताल शुल्क और डॉक्टर की फीस जैसे अलग-अलग मदों में कुल खर्च कई गुना बढ़ जाता है। यह स्थिति गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को कर्ज और संपत्ति बेचने की मजबूरी तक ले जाती है। स्वास्थ्य, जो कि एक मूलभूत अधिकार होना चाहिए, अब आर्थिक स्थिति पर निर्भर एक महंगी सेवा बन चुका है।

सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की विफलताएँ

सरकार ने पिछले वर्षों में कई महत्वाकांक्षी योजनाएँ शुरू कीं, जैसे आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय वृद्ध स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आदि। लेकिन इन योजनाओं का क्रियान्वयन अपेक्षाओं से बहुत नीचे रहा।

Longitudinal Ageing Study of India (LASI), 2021 के आँकड़े स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं:–

75% से अधिक वृद्धजन कम से कम एक दीर्घकालिक बीमारी से ग्रसित हैं। 24% वृद्धजन को रोजमर्रा के कार्य करने में कठिनाई होती है। 48% वृद्धजन को बैंकिंग, खरीदारी, परिवहन जैसी गतिविधियों में दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। केवल 18% वृद्धजन किसी प्रकार के स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत आते हैं। 78% वृद्धजन के पास पेंशन या किसी नियमित आय का साधन नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी बदतर है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की अनुपस्थिति, उपकरणों की खराबी और दवाओं की कमी आम समस्या है। अधिकांश राज्यों में स्वास्थ्य बजट इतना कम है कि न तो विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति हो पाती है और न ही बुनियादी ढाँचे का विकास।

नतीजतन, सरकारी योजनाएँ केवल कागजों में रह जाती हैं और बुजुर्गजन अपनी देखभाल के लिए परिवार पर पूरी तरह निर्भर रहते हैं। लेकिन आधुनिक जीवनशैली, संयुक्त परिवारों के टूटने और युवाओं के रोजगार के लिए पलायन के कारण यह सहयोग भी लगातार घटता जा रहा है।

वृद्धावस्था में बुनियादी सुविधाओं का अभाव

स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा वृद्धावस्था में जीवन की बुनियादी जरूरतें पूरी करने में भी गंभीर चुनौतियाँ हैं।

1. आवास और सुरक्षाः

वृद्धजनों के लिए सुरक्षित और सुलभ आवास की भारी कमी है। शहरी क्षेत्रों में वृद्धाश्रम तो हैं, लेकिन उनकी मूलभूत व्यवस्थाओं में भारी कमियाँ हैं और उनकी संख्या जरूरत से बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी सुविधाओं का लगभग अभाव है।

2. होम केयर सेवाओं की अनुपलब्धताः

जिन वृद्धजनों के परिवार उनके पास नहीं रहते, उन्हें नर्सिंग, फिजियोथेरेपी और दैनिक देखभाल जैसी सेवाओं की जरूरत होती है। लेकिन ये सेवाएँ महंगी हैं और अधिकांशतः निजी संस्थानों एवं चुनिंदा शहरों तक ही सीमित हैं।

3. मानसिक स्वास्थ्य संकटः

अकेलापन, अवसाद और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। फिर भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ वृद्धजनों के लिए लगभग नगण्य हैं।

4. आर्थिक असुरक्षाः

इलाज, दवाओं और परिवहन पर होने वाला खर्च अधिकांश वृद्धजनों के लिए असहनीय है। बीमा कवरेज की कमी, बीमा के बारे में जानकारी का अभाव, बीमा कंपनियों द्वारा उचित दावों को भी ख़ारिज किये जाने का डर और पेंशन व्यवस्था के कमजोर होने के कारण परिवारों की आर्थिक स्थिति पर भारी दबाव पड़ता है।

तेजी से बढ़ती वृद्धजन आबादी

भारत में वृद्ध जनसंख्या की वृद्धि दर बेहद तेज है। SRS,, 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में देश की कुल जनसंख्या का लगभग 9.7% हिस्सा 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का है।

UNFPA की रिपोर्ट का अनुमान है कि 2050 तक यह अनुपात 20% से अधिक हो जाएगा। इसका अर्थ है कि आने वाले 25 वर्षों में हर पाँच में से एक भारतीय बुज़ुर्ग होगा।

इस परिवर्तन के गहरे सामाजिक और आर्थिक प्रभाव होंगेः–

कार्यशील जनसंख्या पर Dependency Ratio बढ़ जाएगा।

युवा पीढ़ी पर वृद्धजनों की देखभाल का बोझ असहनीय हो सकता है।

अर्थव्यवस्था पर पेंशन, स्वास्थ्य और देखभाल सेवाओं के लिए भारी वित्तीय दबाव पड़ेगा। पारिवारिक और सांस्कृतिक संरचना कमजोर होगी।

हिंदू समाज के संदर्भ में यह चुनौती और गंभीर है। परंपरागत रूप से वृद्धजन परिवार के मार्गदर्शक और संस्कार वाहक रहे हैं। लेकिन जब उनकी देखभाल का बोझ परिवार की क्षमता से अधिक हो जाएगा, तो यह पीढ़ियों के बीच संवाद और आत्मीयता को कमजोर कर देगा।

आने वाले 30-40 वर्षों की भयावह तस्वीर

यदि मौजूदा स्थिति पर तुरंत काम नहीं हुआ, तो भविष्य का परिदृश्य बेहद चिंताजनक होगा। अस्पताल और स्वास्थ्य तंत्र वृद्धजनों की बढ़ती संख्या को संभाल नहीं पाएंगे। लाखों परिवार कर्ज में डूबेंगे और अपनी संपत्ति बेचने को मजबूर होंगे। वृद्धाश्रमों और देखभाल केंद्रों की मांग कई गुना बढ़ जाएगी। युवा कार्यबल की कमी से अर्थव्यवस्था धीमी होगी और कर प्रणाली पर दबाव बढ़ेगा। सामाजिक स्थिरता, सांस्कृतिक परंपराएँ और पारिवारिक मूल्य गहराई से प्रभावित होंगे।

नीति सुधार की दिशा

इस संकट से बचने के लिए केवल आलोचना पर्याप्त नहीं है। ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे।

1. स्वास्थ्य बजट में वृद्धिः

भारत को अपने स्वास्थ्य बजट को कम से कम 5% जीडीपी तक बढ़ाना होगा। प्रत्येक जिले में जिराट्रिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएँ और ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल स्वास्थ्य टीमें तैनात हों।

2. एकीकृत राष्ट्रीय वृद्ध नीतिः

वृद्धजनों के लिए एक समग्र नीति बनाई जाए, जिसमें स्वास्थ्य, आवास, सामाजिक सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को एक मंच पर शामिल किया जाए।

3. बीमा और पेंशन कवरेजः

सभी वृद्धजनों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत लाया जाए। साथ ही, पेंशन प्रणाली को मजबूत और पारदर्शी बनाया जाए।

4. मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ:

मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, डिमेंशिया देखभाल और परामर्श सेवाओं को सरकारी योजनाओं का हिस्सा बनाया जाए।

5. जागरूकता और सूचना प्रणालीः

हेल्पलाइन, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और स्थानीय भाषा में जागरूकता अभियान चलाकर वृद्धजनों और उनके परिवारों को योजनाओं की जानकारी दी जाए।

निष्कर्षः समय रहते उठाए जाने वाले कदम

भारत आज एक ऐसे मोड पर खड़ा है जहाँ हमें वृद्धजनों के स्वास्थ्य और जीवन की गरिमा को सुरक्षित करने के लिए ठोस नीतिगत कदम उठाने होंगे। यदि आज सही निर्णय लिए गए, तो यह चुनौती अवसर में बदल सकती है। लेकिन यदि लापरवाही जारी रही, तो आने वाले दशकों में यह संकट हमारे समाज, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के लिए विनाशकारी साबित होगा।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के वृद्धजन कल के इतिहास हैं। उनके सम्मान और सुरक्षा के बिना हमारा भविष्य भी असुरक्षित होगा। इसलिए यह केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्यता है।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जयपुर, राजस्थान

हमारी पहचान, भारतीय भाषा, वेशभूषा एवं भोजन

प्रो.कैलाश सोडाणी

किसी भी व्यक्ति की पहचान बहुत ही सहजता के साथ भाषा, वेशभूषा एवं भोजन से हो जाती है। व्यक्ति की नागरिकता अर्थात राष्ट्रीयता जानने के लिए यही देखा जाएगा कि वह किस भाषा में संवाद कर रहा है? व्यक्ति की पहचान के लिए यह बढ़िया मापदंड हैं। 75 वर्ष की आजादी को भोगने के बावजूद भी मेरे देश का नागरिक भाषा, वेषभूषा एवं भोजन का महत्व नहीं समझ पा रहे हैं। अपनी ऐतिहासिक एवं गौरवशाली पहचान को कमजोर कर रहे हैं। सैकडो वर्षो की गुलामी ने हमारी सोच एवं मानसिकता को कमजोर कर दिया। अंग्रेजी में भाषण देने वालों को हम आज भी भारी विद्वान समझते हैं। हिन्दी, पंजाबी या तमिल में बातचीत करने वालों को हमने दूसरे दर्जे का नागरिक मान लिया। अंग्रेजी गर्व का विषय हो गयी। आज भी 3 प्रति.अंग्रेजी की जानकार जमात ही व्यवहार में देश पर राज कर रही है, और न ही यह चाहते है कि 97 प्रति. जनता में अपनी स्वयं की भाषा के प्रति कोई प्रेम पैदा हो। दुर्भाग्य से लगभग 200 वर्षो से फैला अंग्रेजी का आतंक आज भी यथावत है। अंग्रेजी के आतंक ने आर्थिक समृद्धि के तमाम अवसर और रास्ते इतने संकरे कर दिए कि उन पर कुछ भाग्यशाली लोग ही चल पा रहे है। हमें इस सत्य को यथाशीघ्र स्वीकार कर लेना चाहिये कि मातृभाषा अर्थात् हिन्दी ही हमारे विकास का राजमार्ग है। हमारी उसी कमजोर सोच के कारण विदेशी वेशभूषा अर्थात् कोट-पेन्ट-टाई वाले हमें बडे एवं प्रतिष्ठित महानुभाव दिखाई देते है। भारत में सभी उच्च शिक्षित वर्ग यथा न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, वैज्ञानिक, डॉक्टर सभी भारतीय वेषभूषा को तिलांजली दे चुके हैं। 45 डिग्री टेम्प्रेचर में भी आधुनिक बुद्धिजीवी असुविधाजनक होते हुए भी कोट एवं टाई में ही दिखाई देगा। केवल मात्र राजनैतिक एवं धार्मिक क्षेत्र में काम करने वाले सज्जन ही भारतीय वेशभूषा का उपयोग कर रहे हैं। वेशभूषा का निर्धारण जलवायु, संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक संरचना के आधार पर होता है।

आधुनिकता के नाम पर लड़कियों में बहुत ही फूहड ड्रेसेस लोकप्रिय होती जा रही है, जो गलत हो रहा है। हमारे सांस्कृतिक एवं सामजिक मूल्यों में गिरावट आ रही है, इसे रोकना होगा। भाषा एवं वेशभूषा के साथ-साथ भोजन के मामले में भी देश में आधुनिकता के नाम पर पाश्चात्य भोजन तेजी से लोकप्रिय होता जा रहा है। पिज्जा-बर्गर-मेगी सम्मान के प्रतीक बन गये हैं। आजकल की युवा पीढी को 10 रूपये की कचोरी समोसे की तुलना में 400 रूपये का पिज्जा ज्यादा पसन्द आ रहा है। भारतीय अवधारणा के प्रति कमजोर मानसिकता को विज्ञापनों के माध्यम से लगातार कमजोर करने का षड्यंत्र चल रहा है। हमें सावधान रहना होगा। भोजन में भोज्य सामग्री के साथ-साथ भोजन कब और कैसे करना भी महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति में वैज्ञानिक आधार पर पालथी लगाकर भोजन ग्रहण करना ही श्रेष्ठ माना गया है। पाश्चात्य सोच ने हमें खड़े खड़े, घूमते हुए भोजन करना सीखा दिया। यह जानते हुए कि खडे-खडे भोजन करना स्वास्थ्य की दृष्टि से ठीक नहीं है, फिर भी नकल करने में हमें मजा आ रहा है। सौभाग्य से आज भी संसद और सडक की भाषा, वेशभूषा और भोजन भारतीय ही है। संसद में बैठने वाला राजनेता, अयोध्या एवं उज्जैन के धर्माचार्य तथा सडक पर चलने वाला आम नागरिक हिन्दी में ही बात करता है, भारतीय पहनावें एवं भोजन में ही विश्वास करता है। दुर्भाग्य से देश का बुद्धिजीवी वर्ग, जिसकी सम्पूर्ण समाज को मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी है वह स्वयं ही भटक रहा है। पाश्चात्य सोच का शिकार हो रहा है। कहीं न कहीं यह हमारी शैक्षणिक व्यवस्था की कमजोरी है जो बच्चों में राष्ट्रीय भाव जागृत करने में असफल रही है। सौभाग्य से नई शिक्षा-नीति 2020 में देश के गौरवशाली पुरातन एवं संस्कृति को आवश्यक महत्व प्रदान किया है। मेरा मानना है कि देश के प्रत्येक नागरिक को यथा शीघ्र गर्व के साथ भारतीय भाषा, वेशभूषा एवं भोजन को अंगीकार करना होगा।

–प्रो.कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा

वर्षों पुराना विवाद हुआ खत्म-जिला कलक्टर की पहल से बनी आपसी सहमति

ग्रामीण सेवा शिविर बना सौहार्द और समाधान का मंच, ग्रामीणों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने हेतु आयोजित हो रहे ग्रामीण सेवा शिविर अब गांवों में समाधान और सौहार्द के प्रतीक बनते जा रहे हैं।

शिविर में वर्षों पुराना विवाद सुलझा–

झालावाड़ जिले की सुनेल पंचायत समिति स्थित सोयला ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में गुरुवार को ऐसा ही एक नजारा देखने को मिला। यहां श्मशान भूमि को लेकर राजपूत समाज के दो पक्षों के बीच लगभग दो वर्षों से विवाद चल रहा था।

जिला कलक्टर श्री अजय सिंह राठौड़ के शिविर में पहुंचने पर यह मामला उनके समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्होंने दोनों पक्षों की बात बड़े धैर्य और संवेदनशीलता से सुनी और आपसी सहमति से समाधान का मार्ग सुझाया।

परिणामस्वरूप, सज्जनसिंह पुत्र रणजीतसिंह राजपूत निवासी सोयला द्वारा 0.0253 हेक्टेयर भूमि समर्पण करने की सहमति दी गई। इस प्रकार वर्षों पुराना विवाद शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो गया।

आपसी सौहार्द का संदेश–

विवाद निस्तारण के बाद जिला कलक्टर ने दोनों पक्षों के लोगों को माला पहनाकर सम्मानित किया और सामाजिक एकता का संदेश दिया। दोनों पक्षों ने विवाद समाप्त होने पर प्रशासन के प्रति आभार जताया।

ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के शिविर वास्तव में गांवों में न्याय और विकास की नई रोशनी लेकर आ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का उनकी दूरदर्शी सोच के लिए आभार प्रकट किया, जिससे गांव और ढ़ाणी में भी सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ पहुंचाना और शिकायत समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उनके प्रयासों से गांव-गांव में शांति और समाधान का वातावरण बन रहा है।

–हेमन्त छीपा,
जनसंपर्क अधिकारी, झालावाड़

राशिफल शनिवार 18 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 5:10 तक, ब्रह्म योग रात्रि 1:48 तक, तैतिल करण दिन 12:20 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:12 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज शनि प्रदोष व्रत, धन तेरस है। आज धन त्रयोदशी निमित्त सायं यम दीपदान, धन्वंतरी जयन्ती, (देशाचार में) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:57 से 9:22 तक, चर 12:12 से 1:37 तक, लाभ अमृत 1:37 से 4:27 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 5:51

मेष

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं रहेंगी।

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 86 प्रभात बीकानेर, शनिवार 18 अक्टूबर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

'जरुरी नहीं है, नीतीश ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हों'

अमित शाह जदयू को संदेश दे रहे हैं कि शायद मु.मंत्री भाजपा का ही होगा, यदि संख्या बल पर्याप्त रहा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। जिस मसले पर सार्वजनिक रुप से संदेह किया जा रहा था, गृह मंत्री अमित शाह ने उसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि चुनाव के बाद की स्थिति में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद के लिये एनडीए की स्वाभाविक पसंद नहीं होंगे।

जेडीयू नेता और वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के उस फैसले से नाराज़ हैं, जिसके तहत पार्टी ने चिराग पासवान की एलजेपी (आर) को जेडीयू की परंपरागत सीटें आवंटित कर दी थीं। इसके बाद नीतीश ने मांग की थी कि भाजपा सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करे कि चुनाव के बाद उन्हें एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हालांकि, पासवान को जेडीयू के गढ़ों से पीछे हटाने में नीतीश सफल रहे, लेकिन भाजपा नेतृत्व ने अब तक नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने से परहेज़ किया है।

गुरुवार को पटना पहुँचने पर गृह मंत्री ने इस मुद्दे पर सभी विकल्प खुले छोड़ते हुए कहा, "मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का अधिकार मेरे पास बिल्कुल नहीं है। चुनाव के बाद, एनडीए के घटक दल अपने नेताओं का चयन करेंगे और फिर एक संयुक्त बैठक में मुख्यमंत्री का फैसला किया जाएगा। विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा।"

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव 'कुमार के नेतृत्व में' लड़ा जा रहा है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए एक और कार्यकाल की मांग करते हुए, केन्द्र की सत्ता में बरकरार रखने का प्रयास किया है, और कई राज्यों में पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को पहले ही स्पष्ट कर दिया है। लेकिन इस बार नीतीश कुमार का नाम साफ तौर पर घोषित न करके, शाह ने यह संकेत दिया है कि भविष्य के मुख्यमंत्री के पद पर अंतिम निर्णय भाजपा ही लेगी।

अगर आगामी विधानसभा चुनावों में जेडीयू का प्रदर्शन भाजपा की तुलना में कमजोर रहा, तो लगभग तय है कि नीतीश कुमार को एक "फेट

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा-जदयू के तनावपूर्ण संबंध और उग्र होंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन प्रक्रिया के शुक्रवार को पूरा होते ही, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर मतभेद खुलकर सामने आ गए। जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य नीरज कुमार, जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी माने जाते हैं, ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की खुली आलोचना की। यह विवाद उस समय भड़का, जब शाह ने अपने एक टेलीविज़न इंटरव्यू में कहा कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री एनडीए के नवनिर्वाचित विधायक तय करेंगे, न कि पहले से घोषित किया जाएगा।

शाह के इस बयान को व्यापक रूप से इस संकेत के रूप में देखा गया कि भाजपा शायद नीतीश कुमार के विकल्पों पर विचार कर रही है। इस बयान के तुरंत बाद जेडीयू नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। नीरज कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में निर्विवाद नेता हैं और 2025 के चुनावों के बाद भी वे ही मुख्यमंत्री रहेंगे। उनका यह तीखा जवाब इस बात का संकेत था कि दोनों सहयोगी दलों के बीच नेतृत्व और सीट बंटवारे को लेकर असहजता बढ़ रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षक अमित शाह के बयान की टाइमिंग से हैरान रह गए, क्योंकि यह उस समय आया, जब एनडीए में सीट बंटवारे पर पहले ही तनाव चल रहा था।

कई लोगों का मानना था कि शाह के शब्दों ने पहले से सुलगती आग में घी डालने का काम किया है। जेडीयू सूत्रों ने इस बयान को अनावश्यक और उकसाने वाला बताया, खासकर तब, जब पार्टी पहले से ही केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान और उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रति

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ट्रंप एक बार फिर यूक्रेन में युद्ध की स्थिति सुलझाने में जुटे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। हमास आतंकियों और इज़रायल के बीच शांति समझौता करवाने और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के बाद, अब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप यूरोप में शांति बहाल करने और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की एक और कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप शुक्रवार को वॉशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और करीब दो हफ्तों में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक और शिखर वार्ता आयोजित की जा रही है।

हंगरी के राष्ट्रपति विक्टर ऑर्बान, जो पुतिन के कट्टर समर्थक माने जाते हैं, ट्रंप-पुतिन बैठक आयोजित करने की पहल कर रहे हैं। यूरोपीय संघ का सदस्य होने के बावजूद, ऑर्बान ने यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति या यूरोपीय संघ

■ हमास व इज़रायल के बीच शांति करवाने के बाद ट्रंप के हौसले बुलंद।

द्वारा जैलैंस्की को समर्थन का लगातार विरोध किया है।

इसके बजाय, वे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के सम्बंध में अपने अलग प्रस्ताव पेश करते रहे हैं, जो अधिकतर रूस के पक्ष में रहे हैं। अब, अगर विक्टर ऑर्बान पुतिन और ट्रंप के बीच शांति वार्ता की व्यवस्था कर रहे हैं, तो यह आशंका जताई जा रही है कि यह वार्ता भी यूक्रेन संकट पर रूस की शर्तों के इर्द-गिर्द घूम सकती है।

ऑर्बान ने बताया कि हंगरी का विदेश मंत्रालय देश में पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन की मेज़बानी के लिए पूरी तरह जुटा हुआ है। हालांकि इसमें एक बड़ी अड़चन भी है, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (इन्टर नैशनल क्रिमिनल कोर्ट -आई.सी.सी.) ने पुतिन के खिलाफ एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, जिसमें उन पर यूक्रेनी बच्चों को पकड़कर रूस भेजने का आरोप है।

हंगरी, यूरोपीय संघ का सदस्य होने के बावजूद, आई.सी.सी. के आदेश के तहत पुतिन को गिरफ्तार नहीं करेगा। हंगरी ने आई.सी.सी. की उस संधि से खुद को अलग कर लिया है, जिसके तहत किसी हस्ताक्षरकर्ता देश को न्यायालय के आदेश का पालन करना अनिवार्य होता।

फिर भी, पुतिन को ऐसे देशों से होकर गुजरना पड़ेगा, जो आई.सी.सी. के सदस्य हैं और रास्ते में वे उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। इस जोखिम को टालने के लिए सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था पर विचार किया जा रहा है।

हमास-इज़रायल संघर्ष को समाप्त कराने में मिली सफलता के बाद, (शेष पृष्ठ 5 पर)

दीपावली पर रोशनी व सजावट पर चर्चा, मिलावटखोरों पर कार्रवाई करें : वृष्णि

बीकानेर, (कासं)। दीपावली की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में जिला कलेक्टर ने पुलिस व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग, मेडिकल फैसिलिटी, सड़क मरम्मत, विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग, बिजली की सुचारू व्यवस्था, साफ-सफाई, रोशनी, सजावट, फायर ब्रिगेड व्यवस्था, फूड सेफ्टी, मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

बैठक में एडिशनल एसपी सिटी श्री सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि दीपावली के अवसर पर कानून व्यवस्था को लेकर शहर में दो पारियों सुबह 8 से शाम 6 बजे और शाम 6 से सुबह 8 बजे तक में करीब 450 का पुलिस जाप्ता तैनात रहेगा। धार्मिक स्थानों पर पैदल गश्त और मोबाइल पार्टियों की गश्त रहेगी। करीब 150 पुलिसकर्मी ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे।

तिवाड़ी ने बताया कि केईएम रोड़ पर इस बार बाहर से आने वाले छोटे व्यापारियों को दुकानों के आगे सड़क पर सामान रखकर बेचने की अनुमति नहीं दी जायेगी। सड़क पर सामान बेचने की अनुमति पब्लिक पार्क गेट से जूनागढ़ तक और पब्लिक पार्क गेट से सार्दुल सिंह सर्किल तक दी जायेगी। बैठक में ट्रैफिक इंस्पेक्टर नरेश निर्वाण ने बताया कि इस बार सार्दुल स्कूल, फोर्ट स्कूल व रतन बिहारी पार्क में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। फोर्ट स्कूल से लगता राजीव मार्ग तीन दिन तक खाली रखा जायेगा, यहां पार्किंग अनुमति नहीं होगी। शहर में कुल 33 स्थानों पर बैरिकेडिंग के लिए पीडब्लयूडी को लिखा गया है। शहर में रहने वाले लोगों के लिए पास की व्यवस्था की गई है।

बैठक में देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि बीकानेर व चूरू के 100 मंदिरों एवं प्रन्यास मंदिरों में विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं की सहभागिता से मंदिरों में सामूहिक दीप प्रज्वलन, विद्युत लाइटिंग से मंदिरों को सजाने, मिट्टी से निर्मित गणेश एवं लक्ष्मी की प्रतिमाओं का पूजन, मंदिरों में भक्ति संगीत, कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और दीपावली की रात्रि को विशेष महाआरती होगी। गोवर्धन पूजा के दिन अन्नकूट का प्रसाद बनाकर वितरित किया जायेगा।

डीटीओ भारती नथानी ने बताया कि परिवहन विभाग शुक्रवार से पूरे राज्य में विशेष अभियान चलायेगा। इमरजेंसी गेट बंद होने, छतों पर सामान ढोने इत्यादि को लेकर पिछले दो दिनों में जिले में 9 बसें सीज की है। डीएसओ नरेश शर्मा ने बताया कि 13 से 20 अक्टूबर तक कंज्यूमर केयर अभियान चल रहा है। 13 घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए हैं। बैठक में बीडीए कमिश्नर अपर्णा गुप्ता ने बताया कि पब्लिक पार्क और कलेक्ट्रेट की सजावट बीडीए के द्वारा करवाई जा रही है। इसके अलावा जयपुर रोड़ समेत विभिन्न सड़कों को भी सजाया जा रहा है। निगम कमिश्नर मयंक मनीष ने बताया कि निगम और बीडीए मिलकर शहर में लाइटिंग और सजावट का कार्य करवाया जा रहा है। ओवरब्रिज, गंगाशहर इत्यादि जगहों पर निगम द्वारा लाइटिंग और सजावट की जा रही है।

बैठक में जिला कलेक्टर ने बिजली की निर्बाध व्यवस्था रखने, अस्पतालों में पर्याप्त स्टॉफ तैनात रखने, तूड़ी स्टॉक को कवर रखने और पास ही टैंकर की व्यवस्था रखने, बैंकों को एटीएम में पर्याप्त कैश की व्यवस्था करने, डेयरी द्वारा पर्याप्त दूध, घी इत्यादि की व्यवस्था रखने, पेट्रोल पंप पर फायर सेफ्टी व्यवस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए।

साथ ही वीडियो कांफ्रेंस के जरिए सभी एसडीएम को कंट्रोल रूम की स्थापना, फ्लैग मार्च, साफ-सफाई, लाइटिंग, फायर ब्रिगेड, सीएलजी बैठक करने समेत अन्य बिन्दुओं पर व्यवस्था चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। साथ ही डेंगू रोकथाम को लेकर एक्टिविटी करवाने, हॉस्पिटल निरीक्षण के निर्देश भी दिए।

बैठक में एसपी कावेन्द्र सिंह सागर, बीडीए कमिश्नर अपर्णा गुप्ता, निगम कमिश्नर मयंक मनीष, सीईओ जिला परिषद सोहन लाल, एसडीएम बीकानेर आईएएस महिमा कसाना, एडीएम प्रशासन सुरेश यादव, एडीएम सिटी रमेश देव, एडिशनल एसपी सौरभ तिवाड़ी समेत विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने दीपावली पर व्यस्थाओं को लेकर विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

- **फायर ब्रिगेड व्यवस्था, फूड सेफ्टी, मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए**

उचित मूल्य दुकानों के लिए आवेदन पत्र मांगे

बीकानेर, (कासं)। रसद विभाग ने जिले भर की कुल 92 रिक्त और नवसृजित उचित मूल्य दुकानों के लिए इच्छुक पात्र व्यक्तियों को प्राधिकार पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए हैं।

जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत बीकानेर शहर व ग्रामीण में रिक्त एवं नवसृजित सहित कुल 47 और जिले के तहसील क्षेत्र श्रीडूंगरगढ़, नोखा, लूणकरनसर, छतरगढ़, पूगल, बज्जू, खाजूवाला, कोलायत एवं नगर पालिका क्षेत्र लूणकरनसर एवं श्रीडूंगरगढ़ में कुल 45 रिक्त एवं नवसृजित उचित मूल्य दुकानों के लिए इच्छुक पात्र व्यक्तियों से प्राधिकार-पत्र जारी किये जाने हेतु सशुल्क आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि जिले में रिक्त एवं नवसृजित 92 उचित मूल्य दुकानों में से बीकानेर शहर और ग्रामीण के अंतर्गत 47 उचित मूल्य दुकानें हैं जिनमें बीकानेर शहर में 36 रिक्त दुकानें हैं जो वार्ड नं 02, 09, 10, 22,24,25,25,11,17,14,10, 13, 26, 20, 42, 43, 45, 34, 38,39,39,39,50 31,32,41, 52, 55, 53, 53, 54, 47, 53, 48, 41 में स्थित है। इसी प्रकार बीकानेर ग्रामीण की कुल 11 उचित मूल्य दुकानें हैं जिनमें लाखूसर, बीछवाल, नाल बड़ी, किलचू, गैरसर, खारा, रामसर, नौरंगदेसर, मूंडसर, कतरियासर और खारड़ा गांव में एक-एक दुकान शामिल है। उक्त रिक्तियों में संशोधन किया जा सकता है।

सार-समाचार

खाता बही पूजन कार्यशाला

जैन संस्कार विधि से दीपावली एवं खाता-बही पूजन करने की जानकारी दी।

बीकानेर, (कासं)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद् गंगाशहर द्वारा जैन संस्कार विधि से दीपावली एवं खाता बही पूजन कार्यशाला का आयोजन 17 अक्टूबर को दोपहर 02:00 बजे तेरापंथ भवन गंगाशहर, उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनिकमल कुमार के सानिध्य में किया गया। तेयुप मंत्री मांगीलाल बोथरा ने बताया कि आज के इस विशेष कार्यक्रम में जैन संस्कारक धर्मेन्द्र डाकलिया, पवन छाजेड, रतन लाल छलाणी, विपिन बोथरा और देवेन्द्र डागा ने जैन संस्कार विधि से जैन मंत्रोच्चार द्वारा दीपावली पूजन कैसे किया जाए और मंगल भावना यंत्र के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ डेमो के माध्यम से दीपावली एवं खाता बही पूजन की विधि संपन्न करवाई। इस अवसर पर तेयुप गंगाशहर अध्यक्ष ललित राखेचा और सभी गणमान्य जनों ने अंकुर लूणिया का जैन पताका के साथ सम्मान किया।

डीएलएड प्रथम वर्ष का परिणाम जारी

शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने डीएलएड की प्रथम वर्ष परीक्षा का परिणाम जारी किया।

बीकानेर, (कासं)। माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र द्विवर्षीय डिप्लोमा (डीएलएड) की प्रथम वर्ष परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में जारी किया। शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय के पंजीयक नरेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि डीएलएड की प्रथम वर्ष परीक्षा 2025 का आयोजन 18 से 29 अगस्त तक किया गया था। इस परीक्षा में शामिल कुल 24 हजार 594 परीक्षार्थियों का परिणाम जारी किया गया है। इनमें से 22 हजार 999 परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए हैं तथा 1 हजार 288 परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम प्रोन्नत श्रेणी में रहा। वहीं 307 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण रहे। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षार्थी अपना परीक्षा परिणाम स्वयं की लॉगिन आईडी से डीएलएड एग्जाम पोर्टल पर ऑनलाइन देख सकते हैं। इस दौरान कार्यालय के सहायक निदेशक अरविन्द शर्मा, सहायक निदेशक महेश कुमार सुथार और सहायक निदेशक दिनेश कुमार आचार्य मौजूद थे।

एमएसपी पर कपास खरीद का श्रीगणेश

हनुमानगढ़. भारतीय कपास निगम और स्थानीय कॉटन फैक्ट्री संचालकों के बीच रेट को लेकर चल रहा झोल खत्म होने के बाद अब किसानों को राहत मिली है। विवाद खत्म होने के बाद जंक्शन मंडी में एमएसपी पर कपास की खरीद शुरू कर दी गई। इससे किसानों को अब समर्थन मूल्य का लाभ मिल सकेगा। पूर्व में एमएसपी पर खरीद नहीं होने से किसानों को पांच सौ से सात सौ रुपए प्रति क्विंटल का नुकसान हो रहा था। कृषि उपज मंडी परिसर में समर्थन मूल्य पर नरमा की खरीद प्रारंभ कर दी गई। जिसमें पहले दिन 12 एमओडी के किसान बलवीर राम पूनिया का लगभग 30 क्विंटल नरमा विक्रय के लिए आया। जिसे समर्थन मूल्य 7860 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा गया। केंद्रीय कपास निगम की टीम ने मंडी में आई ढेरियों का निरीक्षण भी किया। मंडी समिति के सचिव विष्णुदत्त शर्मा ने किसानों को मिठाइयां खिलाकर कपास की सरकारी खरीद का श्रीगणेश करवाया। किसान बलबीर राम पूनिया एवं व्यापारी महेंद्र मित्तल दोनों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इसके बाद समर्थन मूल्य पर खरीद प्रारंभ की गई। इस अवसर पर कृषि विपणन विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक देवीलाल कालवा, व्यापार मंडल अध्यक्ष कुलवीर सिंह, व्यापारी नितिन गोयल,

पीडब्लयूडी का इलेक्ट्रिक डिवीजन दो अभियंताओं के भरोसे!

बीकानेर, (कासं)। सरकारी भवनों के रखरखाव की जिम्मेदारी पीडब्लयूडी की होती है, लेकिन विभाग में तकनीकी कर्मचारियों की कमी के कारण कोई काम समय पर नहीं हो पाता। हालात ये है कि विभाग का इलेक्ट्रिक डिवीजन मात्र दो अभियंताओं के भरोसे चल रहा है। यही कारण है कि पीबीएम हॉस्पिटल सहित सरकारी हॉस्पिटलों में फायर सिस्टम को लेकर कभी गंभीरता नहीं दिखाई गई।

पीडब्लयूडी के इलेक्ट्रिक डिवीजन में एक एईएन और एक जेईएन ही हैं। एक्सईएन शैलेष पाठक का प्रमोशन होने पर जोधपुर तबादला हो गया है। अब एईएन के पास ही एक्सईएन और एसई का भी अतिरिक्त चार्ज है। इसके अलावा डिवीजन में एक मंत्रालयिक कर्मचारी और चपरासी है। तकनीकी कर्मचारियों के दो ही पद बचे हैं, वे भी खाली हैं। बेलदार एक भी नहीं है। पिछले 15-20 सालों में जैसे-जैसे पद खाली हुए समाप्त होते गए। अब पूरा काम ठेकेदारों के भरोसे चल रहा है। पीबीएम हॉस्पिटल की 85 साल पुरानी बिल्डिंग की मेंटिनेंस और रिपेयरिंग का काम पीडब्लयूडी के पास है, लेकिन सभी काम ठेके पर हो रहे हैं। यही वजह है कि हॉस्पिटल में फायर सिस्टम लगाने के लिए विभाग ने कभी गंभीरता से प्रयास ही नहीं किए। जयपुर एसएमएस हादसे के बाद फायर सिस्टम की याद आई तो नगर निगम की ओर देखना पड़ रहा है। पीडब्लयूडी ने अग्निशमन अधिकारियों से मदद मांगी है।

पीबीएम हॉस्पिटल ने पीडब्लयूडी से फायर सिस्टम का ब्लू प्रिंट मांगा है। दरअसल पीडब्लयूडी के इलेक्ट्रिक डिवीजन ने फायर सिस्टम लगाने के लिए तखमीना बनाने का काम शुरू कर दिया है। पीबीएम में आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारी डॉ. गौरीशंकर जोशी ने कहा है कि नगर निगम के अग्निशमन अधिकारी की मदद से ब्लू प्रिंट बनाया जाए। उसी के आधार पर टेंडर लगाया जायेगा।

एसपी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध पीबीएम हॉस्पिटल के हल्दीराम मूलचंद हार्ट हॉस्पिटल, 16 नंबर ओपीडी ब्लॉक, सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और नई मेडिसिन विंग में ही फायर सिस्टम लगा हुआ है।

- **पिछले 15-20 सालों में जैसे-जैसे पद खाली हुए समाप्त होते गए**
- **अब पूरा काम ठेकेदारों के भरोसे चल रहा है**

धानमंडी में अतिक्रमण से परेशान

सादुलशहर, (निसं)। नई और पुरानी धान मंडी के दुकानदारों (आढ़त की दुकानों को छोड़कर) ने मंडी समिति सचिव हीना रानी को एक मांग पत्र सौंपा है। इसमें धान मंडी की सफाई व्यवस्था में सुधार करने और दुकानों के बाहर पड़े सामान को निर्धारित सीमा में व्यवस्थित करवाने की मांग की गई है।

दुकानदारों ने सचिव को बताया कि दुकानों के बाहर पड़े सामान के कारण यातायात व्यवस्था बाधित होती है। इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और कई बार लम्बे जाम भी लग जाते हैं। दुकानदारों ने मंडी समिति सचिव हीना रानी और सहायक सचिव बलदेव सिंह राठौड़ के साथ मंडी की अन्य व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर भी विचार-विमर्श किया। इस पर समिति सचिव हीना रानी ने आश्वासन दिया कि समस्त धान मंडी की सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए जायेंगे।

गैंगस्टर की संपत्ति जब्त करेगी पुलिस

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर रेंज में पुलिस गैंगस्टर और हार्डकोर अपराधियों के पीछे पड़ेगी। इनकी संपत्ति जब्त की जायेगी। बीकानेर रेंज में पुलिस गैंगस्टर और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनायेगी। इन लोगों के विरूद्ध कार्ययोजना तैयार कर ली गई है और अब इनकी गिरफ्तारी और संपत्ति जब्त की जायेगी। बीकानेर रेंज के आईजी हेमंत शर्मा ने अपने कार्यालय में चारों जिलों के एसपी की मीटिंग ली।

इस दौरान निर्देश दिए कि गैंगस्टर और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही करें और उन्हें सलाखों के पीछे डालें। ऐसे अपराधियों की संपत्ति जब्त कर ली जाए। को एक्सीडेंट रोकने पर प्राथमिकता से काम करने के लिए कहा गया। इसके अलावा नए कानून पर भी चर्चा की गई। आईजी ने धरना- प्रदर्शन के दौरान पुलिस को सख्ती बरतने, लेकिन संवेदनशील होकर मामले को हैंडल करने के निर्देश दिए। आई.जी. ने चारों जिलों के एसपी से आपराधिक और कानून व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। मीटिंग में बीकानेर कावेन्द्र सिंह सागर, श्रीगंगानगर एसपी अमृता दुहन, चूरू एसपी जय यादव और हनुमानगढ़ एसपी हरिशंकर मौजूद थे।

- **बीकानेर रेंज में पुलिस गैंगस्टर और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनायेगी**
- **धरना- प्रदर्शन के दौरान पुलिस को सख्ती बरतने के निर्देश दिए**

मिट्टी के दीपक से पूजा बिना दीवाली अधूरी

बीकानेर, (कासं)। नए जमाने की हवा भले ही पुराने रीति-रिवाजों को पीछे छोड़ने पर उतारू हो, लेकिन आज भी मिट्टी के दीपक की लौ के आगे इलेक्ट्रोनिक उपकरणों की चकाचौंध फीकी ही होती है।

दीपों के पर्व पर इलेक्ट्रिक मोमबत्ती, दीपक व झालरों की भरमार और खरीदारी को होड़ लगी रहे, लेकिन लक्ष्मी पूजन में मिट्टी के दीपक का ही महत्व माना जाता है। दीपक की रोशनी के बिना दीपावली की पूजा संपन्न नहीं होती है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में दीपावली, शादी, धार्मिक कार्य या अन्य त्योहार व पूजन कार्य कुम्हारों की चाक और बर्तनों के बिना पूरे नहीं होते है। इन दिनों कुम्हार बिक्री के लिए अलग-अलग वैरायटी के दीपक तैयार करने में लगे हैं। कुम्हारों के अनुसार होलसेल में करीब दो सौ रूपए सैकड़ा में दीये बेचे जाते हैं और बाजार में ग्राहकों को दो से अढ़ाई रूपए में एक दीपक मिलता है। ठुकरियासर के शास्त्री प्रेम सारस्वत बताते हैं कि मिट्टी का दीपक पांच तत्वों से मिलकर बनता है। इसकी तुलना मानव शरीर से की जाती है। पानी, आग, मिट्टी, हवा तथा आकाश तत्व ही मनुष्य व मिट्टी के दीपक में समाहित है।

- **लक्ष्मी पूजन में मिट्टी के दीपक का ही महत्व माना जाता है, इसके बिना पूजा अधूरी**

फरार 4 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

रामसिंहपुर, (कासं)। बीकानेर रेंज आईजी हेमंत शर्मा और जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर रामसिंहपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट सहित अन्य मामलों में फरार चल रहे 4 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है।

थानाधिकारी अजय कुमार के सुपरविजन मे गठित पुलिस टीम ने इन वारंटियों को पकड़ा। इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल गुलाब सिंह, कांस्टेबल सुदेश कूकणा और सुखराम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस का यह अभियान फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहा है।

गांव कालियां की बेटी दीक्षा पहले ही प्रयास में आरएएस बनी

श्रीगंगानगर, (कासं)। गांव कालियां निवासी दीक्षा लोहिया ने पहले ही प्रयास में आरएएस की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले का नाम रोशन किया।

राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (आरएएस) परीक्षा 2023 का फाइनल परीक्षा-परिणाम घोषित किया गया। इस परिणाम में जिले के कई होनहार विद्यार्थियों ने सफलता का परचम लहराया है। इन विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और लगन ने उन्हें इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता दिलाई है।

दीक्षा लोहिया (24 वर्षीय) पुत्री मुकेश लोहिया ने बताया कि आरएएस की पढ़ाई घर से ऑनलाइन के माध्यम से जयपुर से कोचिंग लेकर पूरी मेहनत से तैयारी की। वे प्रतिदिन 12 से 14 घंटे तक लगातार पढ़ाई करती थी और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखती थी। उन्होंने टेलीग्राम और व्हाट्सएप का ही इस्तेमाल अध्ययन के लिए किया। दीक्षा ने कहा कि उन्होंने अपने स्कूली पढ़ाई गुरूनानक गर्ल्स सीनियर सेकंडरी स्कूल और गुरूनानक पीजी कॉलेज श्रीगंगानगर से की। जहां उन्होंने 12वीं कक्षा में विज्ञान संकाय में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

उनके पिता मुकेश लोहिया खेती-किसानी का कार्य करते हैं। जबकि मां लाजवंती देवी गृहिणी है और परिवार का पालन-पोषण करती है। छोटा भाई समीर भी उनकी पढ़ाई में सहयोग करता था। दीक्षा का सपना हमेशा से ही आरएएस बनने का था। उन्होंने इस दिशा में कठोर मेहनत की।

उन्होंने कहा कि जब उन्होंने गांव की बेटी ममता लहुआ को भी आरएएस की परीक्षा पास करते हुआ देखा तो उनका हौसला और भी बढ़ गया। दीक्षा ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर कठिन मेहनत की और सफलता हासिल की।

- **दीक्षा ने टेलीग्राम और व्हाट्सएप का ही इस्तेमाल अध्ययन के लिए किया**

महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद आर्थिक उपार्जन करना जरूरी : दीप्ति कश्यप

बीकानेर, (कासं)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना ने बताया कि बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ योजनांर्गत बालिकाओं के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी पर व्याख्यान कार्यशाला एवं दिवाली के अवसर पर दीया व थाली डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य दीप्ति कश्यप ने महिला सशक्तिकरण में आर्थिक पक्ष के महत्व को समझाते हुए बताया कि कार्यशाला में केवल प्रशिक्षण प्राप्त करना ही आवश्यक नहीं बल्कि उन कलाओं को सीखकर आर्थिक उपार्जन करना भी आवश्यक है। पर्यवेक्षक रश्मि कल्ला ने महिला अधिकारिता द्वारा मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के साथ अमृता हॉट, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अनुदान योजना के बारे में समझाया तथा कहा कि यदि एक महिला आर्थिक रूप से स्वंतत्र और सुदृढ़ है, तो सशक्तिकरण के अन्य क्षेत्र स्वत: ही मजबूत होंगे। पन्नाधाय सुरक्षा सलाह केन्द्र की केन्द्र प्रबंधक कविता हुरकट द्वारा केन्द्र के संचालन का उद्देश्य और महत्व बताते हुए कहा गया कि महिलाओं को आर्थिक और राजनैतिक रूप से पूर्ण स्वतंत्र और सशक्त होना चाहिए। सखी केन्द्र के प्रबंधक संतोष बारिया द्वारा सखी केन्द्र से मिलने वाली सभी सुविधाओं व घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में बताया। सखी केन्द्र द्वितीय के प्रबंधक सरिता गोदारा द्वारा महिलाओं से जुड़े कानूनों और अधिनियमों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय महिला आयोग दिल्ली द्वारा प्रवर्तित तेरे मेरे सपने के कांउसलिंग सिस्टम को समझाया गया।

फाइनेंशियल लिटरेसी पर आयोजित कार्यशाला में दिवाली के अवसर पर दीया व थाली डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- **फाइनेंशियल लिटरेसी पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित**

सेवा शिविरों की तिथियों में संशोधन

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा सेवा पर्व पखवाड़ा के दौरान ग्रामीण सेवा शिविर के तहत 18 अक्टूबर को धनतेरस होने के कारण ग्राम पंचायत स्तरीय शिविरों के आयोजनों में संशोधन किया गया है।

जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने बताया कि बीकानेर उपखंड के सूरतसिंहपुरा एवं गीगासर में शिविर अब 21 नवम्बर को, लूणकरनसर के अजीतमाना, डूडीवाली में 14 नवम्बर को, कोलायत के सियाणा, लबाना भाटियान में 14 नवम्बर को, बज्जू के सेवड़ा, नगरासर में 31 अक्टूबर को, नोखा के हिम्मटसर एवं बेरासर में 13 नवम्बर को तथा दावा, सिलवा में 31 अक्टूबर को शिविरों का आयोजन किया जायेगा। वहीं श्रीकरणपुर नगर पालिका परिसर में शहरी सेवा शिविर 2025 का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए और कई प्रमाण पत्र जारी किए गए।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/ 4424 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : ....

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 18 के किला नं. 11 में भूखण्ड संख्या का माप 10'-0'' गुणा 57'-6'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक **श्री मोहन लाल वर्मा पुत्र श्री काशी राम निवासी 32 बिर्थलियावाली, चक 7 ई छोटी,** श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपति हो तो वह अपनी आपति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक **श्री मोहन लाल वर्मा पुत्र श्री काशी राम निवासी 32 बिर्थलियावाली, चक 7 ई छोटी, श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 18 के किला नं. 11 में भूखण्ड संख्या का माप 10'-0'' गुणा 57'-6'' फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/RajKaj Ref No.: 18342294 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 16-10-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 18 के किला नं. 3, 8 में भूखण्ड संख्या का माप 20' गुणा 65'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक **श्री महेन्द्र वर्मा पुत्र डुगरराम निवासी चक 7 ई छोटी नजदीक नोजगे स्कूल,** श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपति हो तो वह अपनी आपति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक **श्री महेन्द्र वर्मा पुत्र डुगरराम निवासी चक 7 ई छोटी नजदीक नोजगे स्कूल,** श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 18 के किला नं. 3, 8 में भूखण्ड संख्या का माप 20' गुणा 65'' फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। RajKaj Ref No.: 18342294 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2025/RajKaj Ref No.: 18343827 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 16-10-2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 64 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15' गुणा 50'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक **श्रीमती विमला पत्नी चिमनलाल निवासी वार्ड नं. 13 30 जीजी चूनावढ़,** श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपति हो तो वह अपनी आपति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक **श्रीमती विमला पत्नी चिमनलाल निवासी वार्ड नं. 13 30 जीजी चूनावढ़,** श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 64 के किला नं. 17 में भूखण्ड संख्या का माप 15' गुणा 50'' फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। RajKaj Ref No.: 18343827 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/6818 दिनांक :- 13/10/2025

ई - बिड सूचना संख्या 39/I-II-III2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner** पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00262 - 267)

राज.संवाद/सी/25/12402 अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/ 2025/ 4428 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 17/10/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हरीश कुमार धींगड़ा पुत्र श्री टेकचन्द निवासी म.न. 8, श्रीराम कॉलोनी, नजदीक शिव चौक, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकॉर्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकॉर्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 13/14 किला नं. 1 ता 3, 8 ता 13 व 18 ता 23 में माप 20 इन्टू 60 फीट भूखण्ड संख्या ए-97 पार्ट बी वृंदावन विहार, श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का नियमन पट्टा संख्या 1274 दिनांक 16.04.1999 को अध्यक्ष, सेठ गिरधारी लाल बिहाणी सनातन धर्म शिक्षा ट्रस्ट, श्रीगंगानगर के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री हरीश कुमार धींगड़ा द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत बैयनामा दिनांक 06.03.2025 के द्वारा क्रय कर भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री हरीश कुमार धींगड़ा पुत्र श्री टेकचन्द निवासी म.न. 8, श्रीराम कॉलोनी, नजदीक शिव चौक, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/ उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/ हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/ उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या:- SGNR/FY25-26/MUT/820 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

गढ़ गणेश पूजन के साथ होगा भव्य शोभायात्रा का आगाज़

बूंदी । आगामी बूंदी महोत्सव 2025 के शुभारंभ के अवसर पर शहर में भव्य एवं मनमोहक शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो बूंदी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास की झलक प्रस्तुत करेगी। गढ़ गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ इस सांस्कृतिक यात्रा का शुभारंभ होगा, जिसके लिए प्रशासन व संबंधित विभाग उत्साह के साथ तैयारियों में जुट गए हैं। शोभायात्रा को लेकर की जा रही तैयारियों की शुक्रवार को उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा ने समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपखंड अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्ग की पूरी तरह से साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएं

बूंदी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास की झलक प्रस्तुत करने के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कि गई।

■ उपखंड अधिकारी ने तैयारियों की बैठक ली

और मार्ग में कहीं भी झूलते हुए बिजली के तारों को तुरंत दुरुस्त करवाया जाए, ताकि आयोजन में किसी प्रकार की कोई बाधा न आए।

शोभायात्रा परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम होगी। इसमें पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सजी-धजी बालिकाएं और महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर शामिल होंगी। शोभायात्रा में सजे-धजे ऊंट, घोड़े, आकर्षक बैंड दल और विभिन्न लोक कलाकारों के दल अपने प्रदर्शन से समां बांध देंगे। शोभायात्रा ऐतिहासिक गढ़ पैलेस से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गों – सदर बाजार और कोटा रोड से होते हुए पुलिस परेड ग्राउंड पर आकर संपन्न होगी। यात्रा मार्ग में विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शहरवासियों द्वारा पग-पग पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा, जो बूंदी की सांप्रदायिक सौहार्द और मेहमाननवाजी की मिसाल पेश करेगा। शोभायात्रा का प्रमुख आकर्षण विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली झांकियां होंगी। इन झांकियों के माध्यम से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को सजीव रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही, पंच गौरव अभियान के तहत जिले के लिए चयनित पांच विशेष उत्पादों की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाएगी, ताकि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिल सके। बूंदी उत्सव समिति सदस्य पुरूषोत्तम लाल पारीक ने शोभायात्रा में आमजन की अधिकाधिक भागीदारी के लिए प्रयास तेज करने की बात कही। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक अरूण कुमार, तहसीलदार अर्जुनलाल मीणा, जिला परिवहन अधिकारी सौम्या शर्मा, शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक धनराज मीणा, एडवोकेट राजकुमार दाधीच, पुरूषोत्तमलाल पारीक, कृष्ण कांत राठौर, रविन्द्र दाधीच एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

सरकारी संपति के स्वरूप को भी बदला

सायला, (निसं)। पंचायत समिति सायला की ओर से किराये पर आवंटित दुकान संख्या 13 व 14 के किरायेदारों द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए पिछले 33 माह का किराया जमा नही करवाने से समिति को लाखों रूपये का नुकसान उठाना पड रहा है। किरायेदार न केवल किराया नहीं चुका रहे हैं, बल्कि उन्होंने अनुबंध की शर्तों का भी खुला उल्लंघन किया है।

जानकारी के अनुसार सायला पंचायत समिति की दुकान संख्या 13, जो खेतेश्वर मिष्ठान्न भंडार के मालिक रावलसिंह के नाम आवंटित है, और दुकान संख्या 14, जो कविता कंवर के नाम आवंटित है। इन दोनों दुकानों का जनवरी 2023 से सितंबर 2025 तक यानी पूरे 33 माह का किराया बकाया है। किरायेदार रावलसिंह को आवंटित दुकान संख्या 13 का प्रतिमाह किराया 4,250 रूपये के हिसाब से कुल 1,40,250 रूपये बकाया है। जबकि किरायेदार कविता कंवर को आवंटित दुकान संख्या 14 का प्रतिमाह किराया 4,350 रूपये के हिसाब से कुल 1,43,550 रूपये बकाया है। इस तरह, दोनों दुकानों पर पंचायत समिति का 2,83,800 रूपये का भारी-भरकम किराया बकाया चल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना हैं कि पंचायत समिति की दुकानों को किराये पर लेने वाले लापरवाह एवं नियम तोडने वाले किरायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अनुबंध के नियमों का किया उल्लंघन:- किराया जमा न कराने के साथ ही किरायेदारों ने अनुबंध की गंभीर शर्तों को भी तो?ा है। खेतेश्वर मिष्ठान्न भंडार के मालिक रावलसिंह ने अपने नाम आवंटित दुकान संख्या 13 और किरायेदार कविता कंवर के नाम आवंटित दुकान संख्या 14 के बीच की दीवार तोडकर एक बडा व्यावसायिक प्रतिष्ठान बना लिया है। यह कार्रवाई पूरी तरह से नियमविरुद्ध है।

तिवारी को दीर्घ सेवा अलंकार सम्मान

बूंदी। स्काउटिंग के क्षेत्र में दीर्घकालिक श्रेष्ठ सेवाओं हेतु दिए जाने वाले राज्य स्तरीय प्रतिष्ठित दीर्घसेवा अलंकार सम्मान हेतु यूनिट लीडर डॉ सर्वेश तिवारी का चयन किया गया है। संगठन के स्थानीय संघ सचिव सतीश कुमार जोशी ने बताया कि राज्य मुख्यालय द्वारा दीर्घ सेवा अलंकार मैडल यूनिट लीडर के रूप में दी जाने वाली दीर्घकालीन समर्पित सेवाओं के अभिनंदन स्वरूप प्रदान किया जाता है जो कि बेहद गौरवपूर्ण सम्मान है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सर्वेश तिवारी अनवरत उल्लेखनीय समुदायिक विकास सेवा हेतु राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत हैं। इनके मार्गदर्शन में अनेक बालक बालिकाओं ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों में सहभागिता की है तथा राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं। स्काउट शिक्षक के रूप में गुणात्मक, संख्यात्मक व्यक्तित्व उन्नयन कार्यक्रमों, विविध सामुदायिक विकास जनचेतना कार्य, पर्यावरण संरक्षण, अभिरुचि शिविर, युवा विकास कार्यक्रमों, स्काउट शिविरों, मोटिवेशन, प्रशासनिक आयोजनो आदि के क्षेत्र में पंद्रह वर्षाधिक विशिष्ट सेवाओं के आधार पर राज्य स्तरीय चयन समिति ने स्टेट चीफ कमिश्नर द्वारा प्रदान किए जाने वाले इस सम्मान हेतु डॉ तिवारी का चयन किया है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No:1591-1606 Date:-13/10/2075

Notice Inviting Bid No 14/2025-26

Bids for 2 (Two Nos) work are invited from interested bidders upto 06.00 PM dated 30.10.2025 other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc rajasthan.gov.in/http://sppp.raj.nic.in) of the state and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 184.35 Lacs
NIB No. PWD2526A3827
UBN No. 1. PWD2526WSOB14566, 2. PWD2526WSOB14568

Executive Engineer PWD Dn. Sujangarh

DIPR/C/15500/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, नर्मदा नहर परियोजना खण्ड प्रथम सांचौर

क्रमांक- लेखा/निविदा/2025-26/1033 दिनांक-15.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यों के लिये अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में राज्य सरकार के संशोधित आदेशों के अनुसार नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा आमन्त्रित की जाती है निविदा में वर्णित 1 कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो या के.लो.नि.वि.ए डाक, दूरसंचार, रेलवे में व अन्य राज्य सरकारो / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमो / संगठनो के पास सूचिबद्ध ठेकेदार जो राजस्थान के पात्र श्रेणी के समतुल्य हो, भी कार्य के लिए निविदा हेतु विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात पात्र है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.10.2025 प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 26.10.2025 सांय 06.00 बजे तक ऑनलाईन अपलोड किये जा सकेगें।
निविदा दिनांक 27.10.2025 को सांय 3 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। कार्यों की अनुमानित लागत, धरोहर राशि, प्रोसेसिंग फिस व कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा अन्य शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखें।
NIB code: WRD2526A0465
UBIN No-: WRD2526WSOB01213

अधिशाषी अभियन्ता नर्मदा नहर परियोजना खण्ड द्वितीय सांचौर

DIPR/C/15444/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांकः 1567-1577 दिनांकः 08.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 08/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की शर्त लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट विभागीय http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. PWD2526A3783
UBN No.- 1. PWD2526WSOB14321, 2. PWD2526WSOB14322, 3. PWD2526WSOB14323 4. PWD2526WSOB14324, 5. PWD2526WSOB14334, 6. PWD2526WSOB14336 7. PWD2526WSOB14340, 8. PWD2526WSOB14343

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

DIPR/C/15325/2025

कार्यालय श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल मण्डफिया, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/लेखा/श्रीसामंमं/2025-26/1847 दिनांक-16.10.2025

-: ई-निविदा सूचना -18/2025-26:-

श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल, मण्डफिया द्वारा DTD wast e Collection,Transportation, Sweeping & Cleaning, IEC etc Work In Mandafiya village (अनु.राशि500 लाख) हेतु पंजीकृत, अनुभवी व योग्य संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" के माध्यम से द्वि-लिफाफा पद्धति में निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विस्तृत विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर उपलब्ध है। निविदाओं के ऑनलाईन प्रपत्र उक्त पोर्टल पर दिनांक 18/10/2025 को प्रातः 09:00 बजे से उपलब्ध होकर दिनांक 06/11/2025 सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन जमा किये जा सकते है। निविदाओं से सम्बन्धित शुल्क/राशि निविदा प्रपत्र में अंकित मंदिर मण्डल के बैंक खाते में ही जमा करवानी होगी। प्राप्त निविदाओं की तकनिकी निविदाएं दिनांक 07/11/2025 को अपरान्ह 12:00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

UBN-SMM2526SLOB00070

मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री सांवलियाजी मंदिर मण्डल

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांकः-स्टोर / 2025-26 / 14572 दिनांकः 16.10.2025

ई-ऑक्शन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण, भरतपुर द्वारा निर्मित विश्वप्रिय शास्त्री चौपाटी की दुकान संख्या 01 से 09 मय चौपाटी एरिया किराये पर दिया जाना है। जिसके लिए उपयुक्त सक्षम श्रेणी की फर्मे ई-ऑक्शन हेतु आमंत्रित की जाती है। उक्त ई-ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्तें प्राधिकरण कार्यालय में एवं sso.rajasthan➔Urban Services➔Citizen service➔E-Auction पर भी देखी जा सकती है।

क्र. सं.	चौपाटी का नाम	न्यूनतम प्रारम्भिक बोली राशि (प्रति दुकान / माह)	अमानत राशि
1	विश्वप्रिय शास्त्री पार्क चौपाटी	8000.00 रू0	15000.00 रू0

लोहागढ घना चौपाटी विश्वप्रिय शास्त्री पार्क भरतपुर व्यावसायिक दुकानें मय ओपन स्पेस अस्थायी रजिस्ट्रेशन/अमानत राशि/दस्तावेज, अपलोड करने की कार्यवाही दिनांक 21.10.2025 प्रातः 11:00 बजे ऑनलाईन से दिनांक 31.10.2025 सायं 06:00 बजे तक एवं ऑनलाईन नीलामी दिनांक 31.10.2025 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 04.11.2025 प्रातः 11:00 बजे तक की जावेगी।

सचिव भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 12465

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)
दाहोद रोड़, बोरखवत फार्म, बाँसवाड़ा (राज.)

क्रमांक : एफ( )/ कृअके/स्टोर/2025/170-73 दिनांक : 13/10/2024

निविदा सुचना (वर्ष 2025-26)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय हेतु निम्नलिखित सामग्री क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदायें बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। निविदां प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 27/10/2025 समय प्रातः 01.30 बजे तक है तथा निविदां उसी दिन निविदादाता के समक्ष दोपहर 02.00 बजे खोली जायेगी। निविदा संबंधित जानकारी कार्यालय समय में आकर प्राप्त कर सकते है। SPP पोर्टल से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

क्र.स.	सामग्री का विवरण	अनुमानित मात्रा
1	**Certifited Seed** • Maize hybrid DMRH-1308 (4/5 kg per bag) दरे प्रति कि.ग्रा. के अनुसार देवें। दरे बोरवट, फार्म, बांसवाड़ा (राज.) पर आपूर्ति के अनुसार देवें।	20-30 qt

हस्ताक्षर/- संभागीय निदेशक अनुसंधान

State Institute of Hotel Management
Village Narpura, Near Thermal Power Station, Dholpur (Raj.)
E-mail:-sihmdholpur@gmail.com, Phone no:- 05642-299088

Ref: SIHMDholpur/2025/152 Date: 14/10/2025

E-Bid Notice

SIHM Dholpur under Department of Tourism, Govt. of Rajasthan invites e-Bid for the purchase of equipment for the institute for FY 2025-26.

Bid Reference Number: SIHMDHO/2025/149

Bid Submission End Date & Time	Bid opening Date & Time	Approx. Bid value	Bid Document Fee	NIB Details/ UBN No.
28/10/2025, 2:00 PM	28/10/2025, 4:00 PM			
Name of Work				
Supply and installation of Housekeeping Heavy & Light Equipments with Linen and furnishing items		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0053

Interested bidders eligible as per qualification criteria may submit their response to the Bid through e-procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in. The other details of tenders may bedownloaded from official website of tourism department i.e. www.tourism.rajasthan.gov.in and for further enquiries contact on above address.

DIPR/C/15379/2025 Principal/Member Secretary

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मोहनगढ़
नई अनाज मण्डी, सुथार वाला रोड़, ग्राम मोहनगढ़ जिला जैसलमेर
E-Mail id : kums.mohangarh@rajasthan.gov.in Website - http://www.rsamb.rajasthan.gov.in/

क्रमांक :- सकृउमस/2025-26/राजकाज 18357897 दिनांक :- 15/10/2025

संशोधित निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मंडी समिति, मोहनगढ़ में ई-नाम योजनांतर्गत IT एवं असेयिंग लैब के उपकरण के लिए राजकाज रेफ्रेश नं. 18177468 दिनांक 07.10.2025 एवं राजकाज रेफ्रेश नं. 18177475 दिनांक 07.10.2025 द्वारा ई-निविदा दिनांक 16.10.2025 तक आमंत्रित की गयी, जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया जाकर निम्नानुसार निर्धारित समयानुसार प्राप्त एवं खोली जाएगी-

Sr.	Bid Title	Date & Time of Downloading/ Uploading of bid Document	Date & Time of online Submission of Bid/Document	Last Date of Submission of DD/Bankers Cheque in the office of KUMS Mohangarh	Date & Time of Technical Bid Opening
1	IT EQUIPMENTS	07.10/2025 To 24.10.2025	24.10.2025 06.00 PM	27.10.2025 11.00 AM	27.10.2025 12.30 PM
2	OIL TESTING MACHINE	07.10.2025 To 24.10.2025	24.10.2025 06.00 PM	27.10.2025 11.00 AM	27.10.2025 01.00 PM

सचिव कृषि उपज मण्डी समिति मोहनगढ

राज.संवाद/सी/25/12409

जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, क्षैत्रीय उधोगशाला खण्ड, नर्मदा नहर परियोजना, सांचौर

क्रमांक/लेखा/निविदा/2025-26/1133-1144 दिनांक 14/10/25

नीलामी सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बाढग्रस्त अनुपयोगी इलेक्ट्रीकल मशीनरी हेतु जैसी है जहां है के आधार पर अधिकतम दर पर दिनांक 10.11.2025 को दोपहर 2:00 बजे से खुली बोली आमंत्रित की जाती है। इसके लिए निर्धारित धरोहर राशि दिनांक 10.11.2025 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवाकर पंजीकरण टोकन प्राप्त किये जा सकेगे। नीलामी से सम्बधित अन्य नियम / शर्ते विभागीय वेबसाईट https://water.rajasthan.gov.in & https://dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अभियन्ता क्षेत्रीय उद्योगशाला खण्ड, न.न.प. सांचौर मो. 7425981959

DIPR/C/15410/2025

कार्यालय नगरपालिका महवा (दौसा) राज0
EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन न.- 07461 284005

क्रमांक-न.पा.म / 2025-26 / 738 दिनांक- 15.10.2025

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिका महवा द्वारा Renovation Work Of SDM Quater कार्य की निविदा आमंत्रित की गई है जिसकी निविदा यूबीएन न. (DLB2526WSRC21105), (DLB2526WSRC21879), (DLB2526WSRC21880), (DLB2526WSRC21881), (DLB2526WSRC21883), (DLB2526WSRC21884), (DLB2526WSRC21886), (DLB2526WSRC21887),(DLB2526WSRC21888) है। निविदा सूचना एवं शर्ते राजस्थान उपापन पोर्टल की बेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका महवा

राज.संवाद / सी / 25 / 12497

Rajasthan State Hotels Corporation Ltd.
(A Govt. of Rajasthan Undertaking) Hotel Khasa Kothi, M.I.Road, Jaipur
Tel. No. 0141-2372118, Email-ed.rshc@rajasthan.gov.in

No. :- F-2( )/Acctts./Bid/RSHCL/2025/569-73 Date :- 16/10/2025

E-BID NOTICE

E-Bids are invited up to 06.11.2025 from the eligible bidders for the procurement of Human Resource services for the Hotels of Rajasthan State Hotels Corporation Limited (RSHCL) for the period of one year. Detailed bid document can be downloaded from web site www.sppp.rajasthan.gov.in and www.eproc.rajasthan.gov.in.

UBN : SHC2526SLOB00035

Raj.Samwad/C/25/12457 Executive Director (F&A)

कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण
(नगर निगम भवन, पोलोटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर)
(ceo_nnj@rediffmail.com Tel: 0291-2651464)

क्रमांकः- 12040 दिनांकः- 16.10.2025

ई-निविदा सूचना

U. B. No. DLB2526GLOB21957

नगर निगम जोधपुर दक्षिण गैरेज शाखा के Tata कम्पनी के वाहनों/मशीनों के लिए स्पेयर पार्टस आपूर्ति एवं रिपेयरिंग कार्य हेतु दो वर्ष के लिए विनिर्माता/अधिकृत विकेता/ISO रजिस्टर्ड फर्मो से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत शर्तें www.eproc.rajasthan.gov.in, www.lsg.rajasthan.gov.in/mcjs एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

आयुक्त नगर निगम जोधपुर दक्षिण

राज.संवाद / सी / 25 / 12459

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 7153 दिनांक :- 15 / 10 / 2025

ई-निविदा सूचना 2025

नगर परिशद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 27.10.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांकः-(DLB2526WSOB21817) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिशद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद / सी / 25 / 12431

RajCOMP Info Services Limited (RISL)
C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

NIB No./ Date/ Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost/EMD	Start of sale / Last date
F4.3 (633)/RISL/Tech/ 2025/4253 Dated : 17/10/2025 UBN : RIS2526SLOB00042	RFP for Selection of Agency for O&M of Integrated IT Solution (RajERP) for IT Enablement of Various PSUs Under the Govt. of Rajasthan.	Rs. 18 Crore / Rs. 36.00 Lakh	17.10.2025 10.11.2025

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाईट पर सम्पर्क करें – http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in

Raj.Samwad/C/25/12442 Managing Director, RISL

कार्यालय नगर निगम, जयपुर हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, जयपुर)

क्रमांक :- एफ-29( )/आ.न.जोन/हैरि ननिज/2025/460 दिनांक :- 16/10/2025
क्रमांक :- एफ-13( )/स्टोर.शाखा/हैरि ननिज/2025/200 दिनांक :- 17/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 90 से 102/2025-26 तक
ई-निविदा सूचना क्रमांक 14/2025-26

नगर निगम जयपुर हैरिटेज के विभिन्न कार्यो हेतु पंजीकृत फर्म से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmcheritage.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. : JMC2526WSOB01800, 01801, 01802, 01803, 01804, 01805, 01806, 01807, 01808, 01809, 01812, 01814, 01816, JMC2526WSOB01824 पर देखी व ड़ाउनलोड़ की जा सकती है।

आयुक्त नगर निगम जयपुर हैरिटेज

राज.संवाद/सी/25/12498

कार्यालय उप वन संरक्षक, जयपुर
ग्रास फार्म नर्सरी, खांतीपुरा रोड, जयपुर
Email ID:dfosouthjpr@gmail.com, Phone No.0141-2350061

क्रमांकः एफ 07 (12) स्टोर / उवसंज/2025-26/ दिनांकः-

NOTICE INVITING E-BID (Tender No. 23/2025-26)

(UBN NO FOR2526WS0B02695 (NIB NO FOR2526A1994)

राजस्थान लोक उपापन मे पारदर्शिता अधिनियम, 2012 एवं नियम 2013 के अन्तर्गत रेंज फागी अधीन क्षेत्र एच.एच.-52 जयपुर से देवली खंड चैनयज संख्या 03 किलोमिटर से 27 किलोमिटर तक रोड़ दोनो साईट कुल 59905 र0मी0 फेंसिंग आर.सी.सी. पोस्ट लगाकर बारबड़ वायर व फैसिंग जाली लगाने एवं मय समस्त सामग्री सहित लगाने का कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सार्वजनिक निर्माण विभाग व राज्य सरकार के अधिकृत संगठनो जो राज्य सरकार के ए व बी श्रेणी के निर्माण कार्यों के संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती हैः-

S. No.	Items	Estimated Cost	Document Bid Fees	RISL Processing Fee
1	Fencing with RCC Post including barbed wire, cost of material, fixing, etc. under Phagi Range	1.83 Crore	Rs 2000/-Egras Budget head-0075-00-800-52-01	Rs 2000/-Egras Budget head -8658-00-102-16-03

Sr.No.	Subject	Date	Time
1.	Bid Submission Start Date	13 OCT 2025	06.00 PM
2.	Bid Submission End Date	24 OCT 2025	5:00 PM
3.	Last date of Submission of Hard Copy	24 OCT 2025	06:00 PM
4.	Technical Bid Opening Date	27 OCT 2025	11:00 AM
5.	Financial Bid Opening Date	To be announced after Technical Evaluation.	

निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय के नोटिस बोर्ड, एवं htpp:/eproc.rajasthan.gov.in and http.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तथापि निविदा के संबंध में संशोधन वांछित होने पर उक्त वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जायेगा।

(वी. केतन कुमार) IFS उप वन संरक्षक, जयपुर

DIPR/C/15359/2025

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड पुरानी छावनी धौलपुर पिन कोड 328001 Email ID- dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांक- एफ()/उवस/वजीधौ/राचघअ/2025-26/2960 दिनांक-14.10.2025

निविदा सूचना

क्र. सं.	सूचना संख्या मय दिनांक	कार्य का नाम	निविदा (बोली) डाउनलोड एवं अपलोड करने की अंतिम समय एवं दिनांक	UBN NO.	अनुमानित लाद्रत लाखों में	निविदा संख्या	प्रकार की रीत
1	Rajkaj Ref Nos 18289888Date 12.10.2025	Construction of stone masonary boundary WALL 1000 mTR. Hight 1.82 Mtr. at NAKA Kesharbhag wildlife Vanvihar District-Dholpur	11.00 AM 27.10.2025	FOR2526 WSOB02714	40.00	47/2025-26	एक मुख्य दैनिक समाचार पत्र और पचास हजार या इससे अधिक प्रतियों के परिचालन वाला एक राज्य स्तरीय मुख्य दैनिक समाचार पत्र।
2	Rajkaj Ref No 18291358 Date 12.10.2025	Comstrictopm of Anicut Type III at Naka Kesarbhag of Wildlife Vanvihar Dholpur District-Dholpur	10.00 AM 27.10.2025	FOR2526 WSOB02715	6.50	48/2025-26	एक क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्र

(डा.आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

DIPR/C/15489/2025

कार्यालय अधीक्षक जे.के. लोन मातृ एवं शिशु चिकित्सालय, कोटा संलग्न राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, कोटा (राज.)

क्रमांक-लेखा/क्रय/2025-26/2557 दिनांक-01.10.2025

इस चिकित्सालय में जारी ऑनलाइन बोली संख्या 05/2025-26/2551 दिनांक 29.09.2025 आमंत्रित की गयी है। जिसकी समयावधि में लिपिकीय त्रुटि होने के कारण उक्त निविदा से निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

क्र. सं.	आईटम का नाम	कार्य की अनुमानित लगत वार्षिक	बोली शुल्क	धरोहर (EMD) राशि रू.	प्रि-बिड मीटिंग	ऑन लाईन बोली फार्म मिलने व जमा कराने की तिथि, समय	ऑनलाईन बोली खोलने की तिथि (तकनीकी बिड)
	बजट मद अधीक्षक एवं सदस्य सचिव आर.एम.आर.एस.						
1	New MGPS line को Old MGPS o2 Line attech at J.K. lon hospital Kota. (AS per attach specification) UBN NO. CMK2526WSOB00144	4.76 लाख	500/-	9520/-	16.10.25 दोपहर 1.00 बजे	06.10.2025 से 27.10.2025 समय 5.00पी.एम.	28.10.25 समय 1.30 पी.एम.
2	चिकित्सालय के ब्लड सेंटर में अधिशेष प्लाजमा एक्सजेंज हेतु दर संविदा द्विवार्षिक UBN NO. CMK2526GLOB00145	180 लाख	2000/-	360000/-	16.10.25 दोपहर 1.00 बजे	06.10.2025 से 27.10.2025 समय 5.00पी.एम	28.10.25 समय 1.30 पी.एम.
3	चिकित्सालय में पुराने व नए परिसर एवं ब्लड बैंक में सफाई कार्य आपूर्ति हेतु दर संविदा UBN NO. CMK2526GLOB00146	135 लाख	2000/-	2.70/-लाख	16.10.25 दोपहर 1.00 बजे	06.10.2025 से 27.10.2025 समय 5.00पी.एम	28.10.25 समय 1.30 पी.एम.

DIPR/C/15407/2025 अधीक्षक, जे.के. लोनमातृ एवंशिशुचिकित्सालय, कोटा

कार्यालय जिला परिषद, बून्दी (राजस्थान)

क्रमांक :- जिपबू/स्टोर/2025राजकाज रे. 18417015 दिनांक :- 17/10/2025

विस्तृत ई-बोली आमंत्रण सूचना संख्या - 04/2025-26

कार्यालय जिला परिषद बून्दी के विभिन्न अनुभागो में एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस (कार्य आधार) पर प्रशिक्षित कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रशिक्षित वाहन चालक की सेवाएं उपलब्ध करवाने हेतु पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक, जो कि राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948, वस्तु एवं सेवाकर (GST), आयकर (PAN नंबर) एवं राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम, 1958 या इण्डियन पार्टनरशिप एक्ट, 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया के तहत ऑनलाईन निविदा के माध्यम से निम्न विवरणानुसार ई-बोली (तकनीकी-वाणिज्यिक बोली एवं वित्तीय बोली) आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	बोली का विवरण	अनुमानित लागत रु. वार्षिक	बोली प्रतिभूति राशि रु.	निविदा प्रपत्र शुल्क	RISL प्रोसेसिंग शुल्क	बोली दस्तावेज डाउनलोड शुरू करने की तिथि व समय	बोली दस्तावेज अपलोड कराने की अन्तिम तिथि एवं समय	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक व समय
1.	मानव संसाधन आपूर्ति हेतु निविदाः- कार्यालय जिला परिषद बून्दी के विभिन्न अनुभागों में 11 प्रशिक्षित कम्प्यूटर ऑपरेटर व 2 प्रशिक्षित वाहन चालक सेवा प्रदाता एजेसियों के माध्यम से लेने बाबत्	19.50 लाख	39,000	500 रुपये	500 रुपये	17.10.2025 को सांय 5:00 बजे से	27.10.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक	27.10.2025 को सांय 4:00 बजे

निविदा की विस्तृत शर्ते एवं जानकारी http://www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in अथवा कार्यालय जिला परिषद बून्दी (राज.) से प्राप्त की जा सकती है।

UBN No. : ZBD2526SLOB00435, NIB : ZBD2526A0172

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/12502

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत राजसमन्द

Phone: 02952-22313 E-Mail: SECIRELE.RAJ.PHED@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक-अधी. अभि./वृत्त/राज./2025-26/3294 दिनांक-10.10.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 76 से 79/2025-26
(NIB NO. PHE2526A3562)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित निर्माण/आपर्ति कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत मान्यता प्राप्त संवेदकों से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनु.लागत (लाखों में)	निविदा फीस	RSL फीस	धरोहर राशि 2%	धरोहर राशि 0.5%	ई-प्रोक पर निविदा उपलब्ध दिनांक	ई-निविदा भरने की अंतिम तिथ	निविदा (p.q) खोलने की तिथि	कार्य अवधि	यूबीएन नं.
01	76	WORK SUPPLY AND INSTALLATION OF SOLAR PANAL ATT VARIOUS WATER SOURCE IN ADBADAREDA CLUSTER MLA CONTIGENCY RAJSAMANDD UNDER DMFT 16 GC BLOCK RAJSAMAND, DISTRICT RAJAMAND WITH 2 YEAR DLP	97.92	1500	1500	195840	48960	4.10.25	21.10.25	24.10.25	06 MONTH	PHE 2526WS OB07261
02	77	WORK SUPPLY AND INSTALLATION OF SOLAR PANAL ATT VARIOUS WATER SOURCE IN KELWA CLUSTER MLA CONTIGENCY RAJSAMANDD UNDER DMFT 16 GC BLOCK RAJSAMAND, DISTRICT RAJAMAND WITH 2 YEAR DLP	117.45	2000	2000	234900	58725	4.10.25	21.10.25	24.10.25	06 MONTH	PHE 2526WS OB07262
03	78	WORK SUPPLY AND INSTALLATION OF SOLAR PANAL ATT VARIOUS WATER SOURCE IN KUNWARIYA CLUSTER MLA CONTIGENCY RAJSAMANDD UNDER DMFT 16 GC BLOCK RAJSAMAND, DISTRICT RAJAMAND WITH 2 YEAR DLP	63.43	1500	1500	126860	31715	4.10.25	21.10.25	24.10.25	06 MONTH	PHE 2526WS OB07263
04	79	Construction of Open well GLSR and Providing Laying jointing of Pipelinewith Solarization at Source Under DMFT 16th GC with 1 year Defeat Liability Period at village-Dabkuriya GP Koyal Block Kumbhalgarh, District Rajasmand	66.67	1500	1500	133336	33334	4.10.25	21.10.25	24.10.25	06 MONTH	PHE 2526WS OB07264

(रामावतार सैनी) अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत्त राजसमन्द

DIPR/C/15368/2025

PIMS CITY HOSPITAL

A MULTI SUPER-SPECIALITY HOSPITAL

उदयपुर के दिल में, स्वास्थ्य की नई धड़कन।

अनुभवी डॉक्टर, आधुनिक उपचार और विश्वसनीय सेवाएं अब आपके शहर में।

OPEN NOW

डॉ. नरेंद्र मल
न्यूरोसर्जन

डॉ. राजेश खोईवाल
न्यूरोलॉजिस्ट

डॉ. मनीष भट्ट
यूरोलॉजिस्ट

डॉ. बकुल गुप्ता
नेफ्रोलॉजिस्ट

डॉ जे. के. छापरवाल
फिजिशियन

डॉ. बी. एल. कुमार
ऑर्थोपेडिक सर्जन

डॉ. सचिन जैन
ऑन्कोलॉजिस्ट

डॉ. श्वेताभ पुरोहित
पल्मोनोलॉजिस्ट

विशेष ऑफ़र

31 अक्टूबर तक

निःशुल्क ओपीडी	MRI 50% छूट	ब्लड टेस्ट 50% छूट	सर्जरी 25% छूट	कीमोथेरपी 20% छूट

सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं

- ऑन्कोलॉजी
- ओन्को सर्जरी
- कार्डियोलोजी
- न्यूरोलॉजी
- नेफ्रोलोजी
- पीडियाट्रिक सर्जरी
- कार्डियक सर्जरी
- न्यूरो सर्जरी
- ग्रेस्ट्रोएंट्रोलोजी
- यूरोलॉजी
- प्लास्टिक एवं बर्न सर्जरी
- रेडियोथेरेपी

जनरल सुविधाएं

- जनरल मेडिसिन
- मनोरोग चिकित्सा
- टी.बी., चेस्ट एवं श्वास रोग
- नेत्र रोग
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- दंत चिकित्सा
- पेन मैनेजमेन्ट क्लिनिक
- जनरल एवं लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी
- हड्डी एवं जोड़ रोग
- नाक, कान, गला
- त्वचा एवं चर्म रोग
- बाल चिकित्सा
- रेडियोलॉजी: सीटी, एमआरआई, एक्स-रे

सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं - 7766-80-7766

care@pimscityhospital.com /PIMScityhospital

Near Solitaire Garden, Meera Nagar, Udaipur www.pimscityhospital.com

आरजेडी व कांग्रेस ने केवल भ्रष्टाचार व परिवारवाद की राजनीति की- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा की

बिहार, 17 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस लूट और भ्रष्टाचार के अड्डे हैं, जिन्होंने केवल परिवारवाद की राजनीति की तथा बिहार के गरीबों को लूटा है। इन लोगों ने सत्ता के अहंकार में जनता की सेवा करने के बजाय केवल अपनी तिजोरियां भरीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान एनडीए सरकार ने अपना हर वादा पूरा किया है तथा दिन-रात मेहनत कर विकसित और समृद्ध बिहार बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

शर्मा शुक्रवार को बिहार चुनाव के तहत, डुमरा हवाई फील्ड पर एनडीए के विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिथिला की पवित्र धरती पर जगत जननी मां जानकी का जन्म हुआ था। मिथिला की यह धरती केवल आस्था की भूमि नहीं है, बल्कि ज्ञान, कला, संस्कृति और संस्कारों की साक्षात् जननी है। शर्मा ने कहा कि बिहार में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल में जंगलराज था। यह वह समय था, जब कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी, अपराध अपने चरम पर था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को फिर से अपना खोया हुआ गौरव वापस दिलाने का काम किया है। आज बिहार में विकास की रोशनी दिख रही है। यहां कानून का राज स्थापित हुआ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिहार में डुमरा हवाई फील्ड पर एनडीए के विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

- **भजनलाल शर्मा ने कहा कि अवैध घुसपैठिये बिहार में आकर आपके संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले इसे उजागर नहीं होने देना चाहते।**

शर्मा ने कहा कि अवैध घुसपैठिए बिहार में आकर आपके संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं, रोजगार छीन रहे हैं तथा आपकी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले इसे उजागर नहीं होने देना चाहते।

मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि बिहार को विकास, शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और समृद्धि में आगे बढ़ाने के लिए बाथनाहा से भाजपा प्रत्याशी अनिल कुमार राम, परिहार से गायत्री देवी, रीगा से बैद्यनाथ प्रसाद, सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू और सुरसंड से नागेन्द्र राउत को भारी मतों से विजयी बनायें।

गुजरात को मिला नया मंत्रिमण्डल

गांधीनगर, 17 अक्टूबर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने शुक्रवार को 19 विधायकों को मंत्रियों के तौर पर शामिल कर मंत्रिपरिषद में फेरबदल किया और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया। इसी के साथ पटेल, समेत मंत्रिपरिषद में शामिल कुल नेताओं की संख्या 26 हो गई है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नए मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को

- **26 मंत्रियों ने शपथ ली। क्रिकेटर रवीन्द्र जडेजा की पत्नी को भी मंत्री बनाया गया है।**

भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। इसके साथ ही, कांग्रेस की गुजरात इकाई के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मोढ वाडिया ने राज्य कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। मोढ़ वाडिया अब भाजपा में शामिल हो गए हैं।

राज्य मंत्री के रूप में भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को शामिल किया जाना आश्चर्यजनक कदम है।

सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। संघवी और भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले पिछले मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे पांच अन्य विधायक मंत्रिपरिषद में बने हुए हैं।

तेजस्वी यादव ने मुकेश सहनी को अल्टीमेटम दिया

तेजस्वी ने दो टूक कहा, सिर्फ 15 सीटें ही मिलेंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी सीट बंटवारे में बेहतर सौदे के लिए कड़ी बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सहनी ने 243 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में कम से कम 24 सीटों की माँग की है। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने अब स्पष्ट कर दिया है कि वीआईपी को केवल लगभग 15 सीटें ही मिल सकती हैं।

अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि महागठबंधन ने सहनी को यह साफ कर दिया है कि यही उनके लिए सबसे अच्छा सौदा है। यदि सहनी झुकते हैं, तो महागठबंधन सीट समझौते को अंतिम रूप दे सकता है। लेकिन अगर उन्होंने बगावत की और गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया, तो और राजनीतिक नाटक देखने को मिल सकता है।

राजद के सूत्रों के अनुसार, सहनी की कड़ी सौदेबाज़ी अब "टूटने की कगार" पर पहुँच गई है और तेजस्वी यादव ने उन्हें "अल्टीमेटम" दे दिया है। 2018 में स्थापित हुई विकासशील इंसान पार्टी का आधार बिहार के मछुआरा और नाविक समुदायों में है, और सहनी सीट शेयरिंग वार्ताओं के दौरान, अपनी सख्त सौदेबाज़ी के लिए जाने जाते हैं।

- **महागठबंधन के अतरंग सूत्रों के अनुसार, विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी 24 सीटों के लिए कड़ी सौदेबाजी कर रहे थे, पर उन्हें सफलता नहीं मिली। अब अगर उन्होंने बगावत की तो बड़ा राजनैतिक ड्रामा देखने को मिल सकता है।**

2020 बिहार विधानसभा चुनाव में सहनी शुरू में महागठबंधन के साथ थे, लेकिन जब उन्हें उनकी मांगी हुई सीटें नहीं मिलीं, तो वे एनडीए में शामिल हो गए। एनडीए के साथ रहते हुए, वीआईपी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा और चार सीटें जीतीं। बाद में एक विधायक की मृत्यु हो गई और बाकी तीन भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद सहनी ने एनडीए से नाता तोड़ लिया।

आगामी बिहार चुनावों की तैयारियों के दौरान, सहनी लगातार महागठबंधन नेतृत्व पर बेहतर सीट समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने जोर देकर कहा था कि अगर महागठबंधन सत्ता में आता है, तो वे उपमुख्यमंत्री बनना चाहेंगे।

जब उनसे यह पूछा गया कि सहयोगी दल उन्हें उपमुख्यमंत्री पद के लिए स्वीकार करने में हिचकिचा रहे हैं, तो सहनी ने कहा, "अगर कुछ लोग तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने से इनकार करते हैं, तो क्या बिहार बिना मुख्यमंत्री के चलेगा? अगर तेजस्वी मुख्यमंत्री बन सकते हैं, तो मैं भी उपमुख्यमंत्री बन सकता हूँ। बहुमत यह तय करता है कि कौनसा पद किसके पास रहता है। भाजपा ने कहा है कि मैं एक अच्छा उपमुख्यमंत्री साबित हो सकता हूँ और अगर सबसे बड़ी पार्टी मेरी अहमियत को स्वीकार करती है, तो यह साबित करता है कि जिधर भी मुकेश सहनी जाते हैं, उसी पक्ष की सरकार बनती है।"

सहनी इससे पहले नीतीश कुमार सरकार में पशु पालन एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रह चुके हैं।

भाजपा-जदयू के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के समर्थन से असंतुष्ट थी।

जेडीयू का मानना है कि भाजपा चिराग पासवान को जेडीयू के पारंपरिक गढ़ों में सीटें देकर उन्हें अनुचित रूप से बढ़ावा दे रही है। पार्टी के भीतर यह आशंका बढ़ रही है कि भाजपा शायद चिराग पासवान को बिहार की राजनीति में भविष्य के दलित चेहरे- और संभवत: मुख्यमंत्री पद के दावेदार - के रूप में उभारना चाहती है, ताकि अपना सामाजिक आधार और मजबूत कर सके।

पर्यवेक्षकों के अनुसार, चिराग पासवान, जो बिहार के प्रभावशाली दलित समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं, भाजपा को अनुसूचित जाति (एससी) के लगभग 19 प्रतिशत वोट बैंक को एकजुट करने में मदद कर सकते हैं, जो राज्य में रविदास समुदाय के बाद सबसे बड़ा समूह है।

एक युवा दलित नेता को आगे कर, भाजपा राज्य की जातीय समीकरणों को नया आकार देने की कोशिश कर सकती है, जहाँ नीतीश कुमार की लोकप्रियता अब तक अति पिछड़े वर्गों (ईबीसी), महिलाओं और अल्पसंख्यकों के सामाजिक गठजोड़ पर आधारित रही है।

इस बीच, विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इस विवाद को तुरंत भुनाने की कोशिश की। वरिष्ठ राजद नेता शिवानंद तिवारी ने अमित शाह की टिप्पणी को एनडीए के महत्वपूर्ण सहयोगियों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि यह बयान भाजपा की अपने साथियों पर वर्चस्व स्थापित करने की महत्वाकांक्षा को उजागर करता है।

तिवारी के अनुसार, शाह की टिप्पणी ने न केवल नीतीश कुमार की राजनीतिक हैसियत को कमजोर किया, बल्कि महत्वपूर्ण चुनाव से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन की आंतरिक दरारों को भी सामने ला दिया। जैसे-जैसे बिहार 6 और 11 नवंबर को होने वाले दो चरणों के मतदान की ओर बढ़ रहा है, एनडीए की यह आंतरिक बेचैनी विपक्ष के लिए नए अवसर पैदा करती दिख रही है।

फिलहाल भाजपा और जेडीयू दोनों ही दलों के नेता इस विवाद को कमतर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री पद पर निरंतरता अब निस्संदेह बिहार की राजनीतिक बहस का प्रमुख मुद्दा बन चुकी है।

'जरुरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अकॉम्प्ली" स्थिति का सामना करना पड़ेगा कि या तो भाजपा के उम्मीदवार को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करें, या फिर अपनी पार्टी के टूटने का खतरा उठाने के लिये तैयार रहें, जैसा कि भाजपा ने महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में किया था। जेडीयू में पहले से ही भाजपा समर्थकों की घुसपैठ मानी जा रही है।

हालाँकि नीतीश कुमार अब स्वास्थ्य एवं राजनैतिक प्रभाव के शीर्ष पर नहीं रहे हैं, लेकिन उनकी रणनीतिक चालें और अंतिम क्षणों में खेल पलटने की क्षमता सर्वविदित है। इसलिए, इस समय नीतीश कुमार के राजनीतिक अन्त की घोषणा करना जल्दबाजी और नासमझी होगी।

गृह मंत्रालय ने लेह हिंसा की न्यायिक जांच के आदेश दिए

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। केन्द्र सरकार ने 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की जांच के लिए रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज बी. एस. चौहान को नियुक्त किया है। इस जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि उस दिन कानून और व्यवस्था की गम्भीर स्थिति क्यों उत्पन्न हुई, पुलिस ने कैसे कार्रवाई की, और उस दौरान चार लोगों की मौत कैसे हुई। सरकारी बयान के अनुसार, 24 सितंबर को लेह शहर में कानून-व्यवस्था की गम्भीर समस्या पैदा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस कार्रवाई हुई और चार लोग मारे गए।

- **सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बीएस चौहान 24 सितम्बर को लेह में हुई हिंसा के कारणों की जांच करेंगे।**

मंत्रालय ने कहा, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय ने आज न्यायिक जांच की घोषणा की है, जिसे पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज डॉ. बी. एस. चौहान करेंगे। यह जांच उन परिस्थितियों की पड़ताल करेगी, जिनके कारण कानून और व्यवस्था की गम्भीर समस्या पैदा हुई, पुलिस ने क्या कार्रवाई की, और चार व्यक्तियों की दुर्भाग्यपूर्ण मौत हुई।

सरकार ने यह भी कहा कि वह किसी भी समय संवाद के लिए तैयार है और आगे भी उच्च स्तरीय समिति या किसी अन्य प्लेटफार्म के माध्यम से एपेक्स बॉडी लेह (एबीएल) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के साथ बातचीत का स्वागत करती रहेगी। सरकार ने भरोसा जताया कि लगातार बातचीत से जल्दी ही सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे और वह लेह के लोगों की आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्ध है।

मेहुल चोकसी का भारत प्रत्यर्पण होगा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। भारत के सबसे चर्चित आर्थिक भगोड़ों में से एक मेहुल चोकसी के खिलाफ बेल्जियम की अदालत से बड़ी खबर आई है। एंटवर्प कोर्ट ने चोकसी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। अदालत ने साफ कहा कि भारतीय एजेंसियों की मांग वैध है और बेल्जियम पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी कानूनी रूप से सही थी। इस फैसले के साथ भारत की एजेंसियों सीबीआई और ईडी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है।

- **सीबीआई की दलीलों के बाद एंटवर्प कोर्ट ने मेहुल के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी।**

भारत ने चोकसी के खिलाफ मजबूत केस पेश करते हुए उसे 13,850 करोड़ रुपए केपंजाबनेशनल बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी बताया। सीबीआई ने अदालत को बताया कि चोकसी ने पीएनबी के अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग जारी कर विदेशी बैंकों से बिना सिक्योरिटी के लोन हासिल किए और पैसा शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर मनी लॉन्डरिंग की।

भारत ने उस पर धोखाधड़ी, साजिश, सबूत नष्ट करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। की धाराएं 120, 201, 409, 420, 477 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं 7 और 13 उसके खिलाफ लगाई गई हैं। अदालत ने माना कि ये अपराध बेल्जियम कानून में भी दंडनीय हैं।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके 1ए ने भरी पहली उड़ान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को इसके लिए बधाई दी

नासिक, 17 अक्टूबर। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिविजन में यह उड़ान हुई। भारत में लड़ाकू विमान निर्माण की दिशा में यह अहम पल है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राजनाथ सिंह आज एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन और साथ ही एचटीटी-40 एयरक्राफ्ट की दूसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन करेंगे।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आज एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन हो रहा है, जो एलसीए एमके1ए तेजस बनाती है,

- **हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की नासिक शाखा में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा "मेरा सीना" गर्व से चौड़ा हो गया।**

और एचटीटी 40 विमान की दूसरी उत्पादन लाइन है। मैं एचएएल में सभी को बधाई देता हूं। जब मैंने आज सुखोई एसयू-30, एलसीए तेजस और एचटीटी -40 को उड़ान भरते देखा, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। ये उड़ान, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल है। एचएएल ने भारत के लिए एक मजबूत स्तंभ के रूप में काम किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा, एक समय था, जब देश अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे लेकिन आज, यह स्थिति बदल गई है। अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है। बहुत जल्द, हम अपने घरेलू विनिर्माण को भी 100 प्रतिशत तक ले जाएंगे।

तेजस एमके1ए को वायुसेना में शामिल करने की तारीखों का एलान नहीं हुआ है, लेकिन एचएएल का कहना है कि आने वाले चार वर्षों में भारतीय वायुसेना को 83 तेजस मार्क1ए लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाएगी। अमेरिकी इंजन की आपूर्ति में देरी की वजह से पहले ही देरी हो रही है।

सबरीमाला स्वर्ण चोरी में बड़ा खुलासा

कोच्चि, 17 अक्टूबर। केरल के प्रसिद्ध हिंदू मंदिर सबरीमाला में सोना चोरी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। सोना चोरी होने मामले की जांच कर रही टीम ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि मंदिर के एक सहायक ने द्वारपालक की मूर्तियों से लगभग दो किलो सोने का गबन किया गया। एसआईटी ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में कहा है कि आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी ने 2019 में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर इलेक्ट्रोप्लेटिंग का खर्चा उठाने के बाद उनसे लगभग दो किलोग्राम सोना चोरी किया। वहीं शुक्रवार कोसबरीमाला द्वारपालका मूर्ति पर सोने की परत को तंत्री कंडारारू महेश मोहनारू की देखरेख में फिर से स्थापित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 2004 से 2008 के बीच सबरीमाला मंदिर के पुजारी के सहायक के रूप में काम करने वाले उन्नीकृष्णन पोट्टी को 1998 में पता था कि द्वारपालक की मूर्तियों की तांबे की प्लेटें सोने से मढ़ी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पोट्टी ने इस जानकारी का इस्तेमाल धोखाधड़ी और आर्थिक लाभ कमाने के इरादे से किया, जिससे त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) को नुकसान हुआ।

ट्रंप एक बार फिर यूक्रेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप अब यूक्रेन में शांति स्थापित करने के अपने प्रयासों को लेकर और अधिक आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं।

हालांकि शुरू में ट्रंप भी यूक्रेन युद्ध के समाधान को लेकर सख्त बयानबाजी कर रहे थे, लेकिन अलास्का शिखर सम्मेलन की असफलता के बाद उनका रवैया काफी बदल गया, जब यह स्पष्ट हुआ कि पुतिन युद्ध खत्म करने के प्रति गंभीर नहीं हैं। ट्रंप ने तब रूस पर और प्रतिबंध लगाने की बात कही थी।

लेकिन जैसे-जैसे पुतिन ने यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर हमले बढ़ाए, अमेरिका की नीति रक्षात्मक से आक्रामक हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यहां तक कहा कि रूस के अंदर गहराई तक हमले करने के लिए ज़ैलेंस्की को उनके अपने "सपनों के हथियार" दिए जा सकते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यूक्रेन को "टोमहॉक" मिसाइलें देने की बात कही थी, ताकि वे रूस के ठिकानों पर हमला कर सकें। इससे एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई और रूस ने इस धमकी को बहुत गंभीरता से लिया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि टोमहॉक मिसाइलें सौंपना अमेरिका के साथ सीधा टकराव होगा।

अमेरिका का दृष्टिकोण भी अब काफी बदल गया है। अलास्का सम्मेलन के समय अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के तेल और ऊर्जा ढांचे पर हमला न करने की सलाह दी थी, लेकिन जब पुतिन ने पीछे हटने के कोई संकेत नहीं दिए, तो अमेरिका ने यूक्रेन को इन ढांचों पर हमले की अनुमति दे दी।

अगर यूक्रेन को टोमहॉक मिसाइलें मिल जाती हैं, तो वह रूस को भारी नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे पहले से कमजोर रूसी अर्थव्यवस्था और बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। यही वजह है कि रूस टोमहॉक मिसाइलों के यूक्रेन पहुँचने को लेकर बेहद चिंतित है। गाज़ा की तरह ही, अमेरिका अब भी ऐसी रणनीति अपना रहा है, जिसमें रूस पर भारी दबाव डाला जाए, ताकि वह बातचीत की मेज़ पर आए, लेकिन अमेरिका सीधे तौर पर युद्ध में शामिल न हो।

'क्या सरकारी दबाव में जस्टिस श्रीधरन का बार-बार तबादला हो रहा है'

वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की स्वतंत्रता पर प्रश्नचिन्ह लगाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। उच्च न्यायालय के अत्यंत सम्मानित न्यायाधीश जस्टिस अतुल श्रीधरन के लगातार तबादलों ने देश की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और केन्द्र सरकार की न्यायपालिका को अपने अनुकूल झुकाने की कोशिश पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाल के महीनों में जस्टिस श्रीधरन के एक के बाद एक तबादलों ने सत्ता में बैठे लोगों और सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम, जो अकेला तबादले का अधिकार रखता है, दोनों से जवाबदेही की मांग खड़ी कर दी हैं।

स्वतंत्र और निष्पक्ष विचारों के लिए जाने जाने वाले जस्टिस श्रीधरन को पिछले सात महीनों में तीन बार एक हाई कोर्ट से दूसरे में स्थानांतरित किया गया है। हालांकि इनमें से केवल एक तबादला ही अब तक हुआ है, जबकि दूसरा जल्द ही लागू होने वाला है।

मार्च में उन्हें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट से वापस उनके मूल मध्य प्रदेश हाई कोर्ट भेजा गया था (तकनीकी रूप से अपने मूल न्यायालय में वापसी को "तबादला" नहीं माना जाता)।

तबादलों का निर्णय सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम लेता है, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश और चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों का एक शक्तिशाली परंतु अपारदर्शी निकाय है। कोलीजियम उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों और तबादलों की सिफारिश करता है। सरकार उसके किसी निर्णय पर "पुनर्विचार" का अनुरोध कर सकती है, पर अंतिम निर्णय कोलीजियम का ही होता है। अगस्त में, जस्टिस श्रीधरन को फिर से मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश हुई। लेकिन इसके लागू होने से पहले ही सरकार ने आदेश रोक दिया।

फिर 15 अक्टूबर को एक नया मोड़ आया, सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा की कि श्रीधरन अब छत्तीसगढ़ नहीं, बल्कि इलाहाबाद हाई कोर्ट जाएंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार ने कोलेजियम से पुनर्विचार का अनुरोध किया था। आधिकारिक नोट में कहा गया:

सरकार के अनुरोध पर पुनर्विचार करते हुए, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने निर्णय लिया है कि "माननीय न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के स्थान पर, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की सिफारिश की जाती है।"

बार के वरिष्ठ सदस्यों ने फैसले की कड़ी आलोचना क्योंकि वे श्रीधरन के साथ हुए व्यवहार से गहराई से व्यथित थे, उन्होंने कहा, "न्यायपालिका और उसके सभी स्तरों पर न्यायाधीशों की रक्षा करने के बजाय, मुख्य न्यायाधीश और कोलीजियम के सदस्यों ने कार्यपालिका को हावी होने दिया है।"

यह बदलाव सिर्फ स्थान का नहीं, प्रभाव का भी मसला है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में श्रीधरन सीनियरिटी में सातवें स्थान पर रहेंगे, जबकि छत्तीसगढ़ में वे तीसरे नंबर पर होते, जिससे उन्हें हाई कोर्ट कोलीजियम में जगह मिलती और न्यायिक नियुक्तियों में प्रभाव डालने का अवसर प्राप्त होता।

- **जस्टिस अतुल श्रीधरन, जो अपनी निष्पक्षता व निर्भीकता के लिए जाने जाते हैं, का गत 7 माह में तीन बार तबादला हो चुका है और हमेशा जैसे ही वे किसी हाई कोर्ट की वरिष्ठता सूची में ऊपर आते हैं, उनका तबादला ऐसे राज्य में कर दिया जाता है, जहाँ वरिष्ठता सूची में उनका नाम काफी नीचे होता हैं।**
- **वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने कहा, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सरकार के आग्रह पर श्रीधरन का तबादला करके सरकार को "अपरहैंड" दे दिया है।**

श्रीधरन की स्वतंत्रता और निष्पक्षता की प्रतिष्ठा पुरानी है। उन्होंने पहले मध्य प्रदेश से स्थानांतरण का स्वयं अनुरोध किया था, क्योंकि उनकी बेटी वहीं वकालत करने लगी थीं, जिससे उनके न्यायिक आचरण की मर्यादा और सिद्धांतप्रियता झलकती है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अपने कार्यकाल के दौरान वे यूएपीए और निवारक हिरासत के मामलों में सख्त, लेकिन निष्पक्ष दृष्टिकोण के लिए जाने गए।

13 मार्च को उनका तबादला ठीक उस समय किया गया, जब जम्मू-कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश ताशी रब्स्तान 9 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले थे, क्योंकि उस समय श्रीधरन जम्मू-कश्मीर के दूसरे वरिष्ठतम न्यायाधीश थे।

मध्य प्रदेश लौटने के बाद भी उन्होंने जवाबदेही पर जोर दिया और शक्तिशाली व्यक्तियों के खिलाफ भी निर्णय लेने से नहीं हिचकिचाए। विशेष रूप से ध्यान खींचने वाला मामला था, राज्य के जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह के खिलाफ, जिन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी, एक सम्मानित सैन्य अधिकारी, पर अपमानजनक टिप्पणी की थी।

श्रीधरन और एक अन्य न्यायाधीश ने पुलिस को विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। आदेश देते समय उन्होंने कहा:

"उनकी टिप्पणियाँ खतरनाक हैं, क्योंकि अब ये देश की सशस्त्र सेनाओं तक पहुँचने लगी हैं।"

बाद में विजय शाह ने अपने बयान को "भाषाई गलती" बताया और सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाते हुए इसे शर्मनाक भाषा बताया और हाई कोर्ट को मामला बंद करने का निर्देश दिया।

मध्य प्रदेश में वापसी के बाद, श्रीधरन सीनियरिटी में चौथे स्थान पर थे, जिससे वे हाई कोर्ट कोलीजियम के सदस्य बनने की स्थिति में आ गए थे। लेकिन कुछ महीनों में ही बदलाव हुआ।

मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत सेवानिवृत्त हुए, अलोक अराधे सुप्रीम कोर्ट में चले गए और शील नागू पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बन गए।

इन परिवर्तनों के कारण श्रीधरन फिर से कोलीजियम में प्रभावशाली स्थिति में पहुँच सकते थे, परंतु इस ताज़ा तबादले ने उनके उभार को रोक दिया और उनके प्रभाव को सीमित कर दिया।

जस्टिस श्रीधरन अकेले नहीं हैं, जिनका करियर सरकार से असहमति के बाद ठहर गया।

जस्टिस अकील कुरैशी, जो देश के वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक थे, को त्रिपुरा हाई कोर्ट भेजा गया, क्योंकि सरकार ने उन्हें मध्य प्रदेश का मुख्य न्यायाधीश बनने से रोक दिया था।

उन्होंने बाद में राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अल्प कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्ति ली।

इसी तरह, जस्टिस एस. मुरलीधर, जब ओडिशा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, तब उन्हें मद्रास भेजने का आदेश हुआ था, लेकिन सरकार ने महीनों तक आदेश को रोके रखा, अंतत: कोलीजियम ने ही उसे वापस ले लिया।

न्यायाधीश बनने से पहले, श्रीधरन एक प्रतिष्ठित वकील थे, उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम के जूनियर के रूप में करियर की शुरुआत की और बाद में मध्य प्रदेश में अपनी प्रैक्टिस शुरू की, जहाँ उनके माता-पिता रहते थे। वर्षों में उन्होंने खुद को ईमानदार, अनुशासित और निर्भीक न्यायाधीश के रूप में स्थापित किया।

उनके बार-बार तबादलों के दूरगामी परिणामों ने कानूनी समुदाय को चिंतित कर दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने चेतावनी दी, कोलीजियम ने अपनी और पूरी न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता कर लिया है और उन्होंने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यह स्थिति स्वतंत्र न्यायपालिका के अंत की शुरुआत साबित हो सकती है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

Hero

125M
CELEBRATING
125 MILLION CUSTOMERS

भरोसा
सोने सा खरा
Splendor+

—FILL IT. SHUT IT. FORGET IT.—

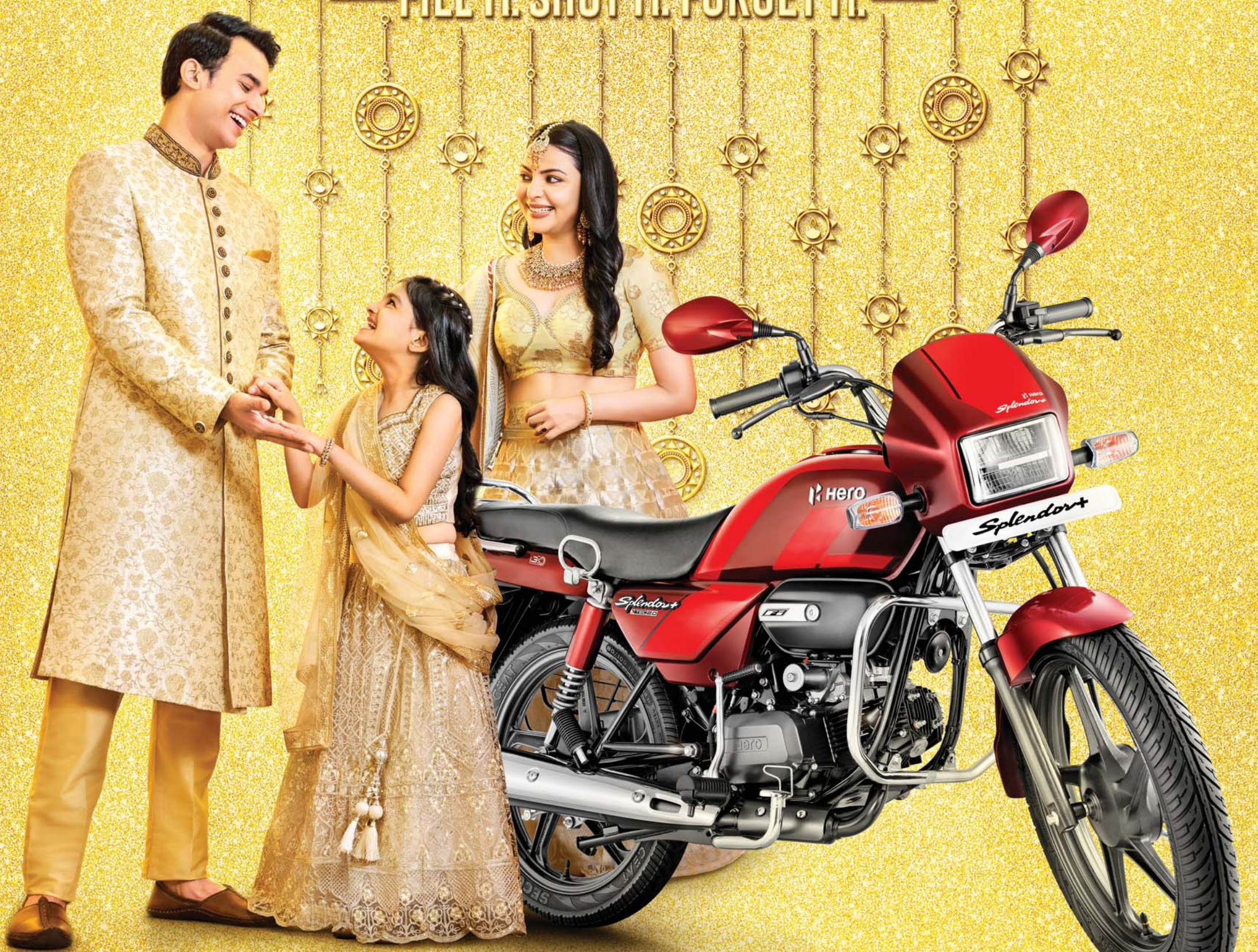

GST बेनिफिट्स ₹6 289
नई एक्स-शोरूम कीमत ₹74 202*
इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक
कम डाउन पेमेंट ₹1999^

आप भी शुरू करें अपनी ख़ुशियों का सफ़र

5 crore+ HAPPY SPLENDOR CUSTOMERS
Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

SCAN TO KNOW MORE

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife
जीतने का मौका
100% कैशबैक | सोने का सिक्का
और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स#

Additional Offers on Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi - 110070, India. | CIN: L.35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. 5 crore customers as per the cumulative dispatch numbers of the Splendor family series of motorcycles till March 2025. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs.Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. #Limited period offer, T&C apply. *Ex-showroom prices are applicable in Rajasthan.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर : बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, गोगा गेट सर्किल के पास, 9289922708 करण हीरो, म्यूजियम सर्किल के पास, 9289922528, राजाराम धारणिया ऑटोमोबाईल्स एक्सटेंशन काउंटर : अनाज मण्डी गेट के सामने 7229822929, 8048243279, वाटर वर्क्स के सामने, कालू रोड, लूणकरणसर, 8000294880, श्री गंगानगर रोड़, 7428598938, एसोशिएट डीलरः बीकानेर: ब्रज ऑटोव्हील्स : एनएच 15, चुंगी चौकी के पास, जैसलमेर रोड़, 9782400101, राज ऑटोमोबाइल्स (श्री डुंगरगढ़) 9414528983, अर्जुनसर स्टेशन: सिद्धि विनायक ऑटोमोबाइल्स, 8890636258, बज्जू: खीचड़ मोटर्स, 9468939229, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, नोखा: धारणियाँ मोटर्स, 7428049134 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, सुभाष पेट्रोल पंप के सामने जयपुर रोड, बीकानेर, 7300056081.

RS/Hero/10/25